सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 15 दिसंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 79, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

यूपी : क्या पंकज चौधरी की ताजपोशी को योगी हजम कर पाएंगे?

सत्य ब्यूरो

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्तर प्रदेश इकाई में बड़ा बदलाव होने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और महराजगंज से सात बार सांसद पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इसके पहले चौधरी को अध्यक्ष बनाने की तमाम औपचारिकताएं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और विनोद तावड़े की मौजूदगी में तमाम औपचारिकताएं पूरी की गई। तयशुदा रणनीति के तहत अकेले पंकज चौधरी ने ही नामांकन भरा। दूसरे दिन उनके निर्वाचन की घोषणा की गई। नामांकन भरने के समय यूपी के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनो उपमुख्यमंत्री समेत सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पंकज की तैनाती को राज्य में कुर्मी जाति को साधने का दांव माना जा रहा है।

पंकज चौधरी की नियुक्ति 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तो महत्वपूर्ण है ही लेकिन बीजेपी की अंदरुनी राजनीति यूपी में जिस तरफ बढ़ रही है, उसका भी पता चलता है। यह घटनाक्रम पंकज चौधरी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके रिश्तों और उत्तर प्रदेश की जटिल जाति राजनीति को भी सामने ला रहा है। क्या यह ओबीसी वोटों को मजबूत करने का जातिगत दांव है? या फिर योगी सरकार और पार्टी संगठन के बीच संतुलन का प्रयास?

पंकज चौधरी का जन्म 1964 में गोरखपुर जिले के एक साधारण कुर्मी परिवार में हुआ। कुर्मी समुदाय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का प्रमुख हिस्सा है, जो पूर्वांचल में किसान-व्यापारी वर्ग के रूप में जाना जाता है। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की और 1989 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में गोरखपुर नगर निगम के पार्षद चुने गए। अगले ही साल वे उप-मेयर बने और 1990 में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य। 1991 में पहली बार महराजगंज लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की, जो उनकी राजनीतिक यात्रा का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। चौधरी ने 1991, 1996, 1998, 2004, 2014, 2019 और 2024 में महराजगंज से जीत दर्ज की, जो पूर्वांचल में भाजपा का मजबूत गढ़ है। 2009 में वे कांग्रेस के हरिशंकर तिवारी से हार गए, लेकिन वापसी मजबूत हुई। 2021 से वे मोदी सरकार में वित्त राज्य मंत्री हैं। उनकी छवि एक लो-प्रोफाइल, ईमानदार और विवादों से दूर रहने वाले नेता की है। वे हमेशा पक्ष-विपक्ष दोनों से संतुलित संबंध बनाए रखते हैं। महराजगंज जिला पंचायत अध्यक्ष का पद हमेशा उनके करीबी के पास रहा है।

अब प्रदेश अध्यक्ष पद पर उनकी ताजपोशी पूर्वांचल में भाजपा को मजबूत करने का संकेत है। महराजगंज, गोरखपुर के करीब है, जहां योगी आदित्यनाथ का गढ़ माना जाता है। भाजपा आलाकमान ने 2027 विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। वर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का कार्यकाल जनवरी 2025 में समाप्त हो रहा था, लेकिन खरमास (16 दिसंबर से) से पहले 14 दिसंबर को ऐलान हो जाएगा। अन्य दावेदारों जैसे बीएल वर्मा, रामशंकर कठेरिया और धर्मपाल सिंह के नाम भी चर्चा में थे, लेकिन चौधरी सबसे आगे रहे।

पंकज चौधरी और योगी आदित्यनाथ दोनों पूर्वांचल के हैं, लेकिन उनके रिश्ते जटिल रहे हैं। गोरखपुर-महराजगंज की भौगोलिक निकटता होने के बावजूद, राजनीतिक रूप से वे हमेशा एक-दूसरे के पूरक नहीं दिखे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले चौधरी ने एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा कि 'लोग मोदी सरकार के काम पर वोट देंगे।' इस दौरान योगी से उनके रिश्तों पर अफवाहें उड़ीं, लेकिन चौधरी ने इन्हें साजिश करार दिया। उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा का साधारण कार्यकर्ता हूं, योगी जी नेता और मुख्यमंत्री हैं। मेरे और उनके बीच तुलना नहीं हो सकती। यह 'फूट डालो-राज करो' की राजनीति है।' अगस्त 2023 में चौधरी के पोते के बारही संस्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे, लेकिन योगी की अनुपस्थिति चर्चा में रही। इतना ही नहीं, मोदी उनके आवास तक 200 मीटर पैदल चलकर पहुंचे।

जून 2024 में एक कार्यक्रम के पोस्टर में योगी की तस्वीर न होने पर विवाद हुआ, हालांकि चौधरी ने इसे समर्थकों की चूक बताया। लेकिन योगी खेमे ने पंकज चौधरी को आज तक इसके लिए माफ नहीं किया। 2017 और 2022 विधानसभा चुनावों में महराजगंज के सिसवा सीट पर योगी ने प्रेमसागर पटेल को टिकट दिया, जिसका चौधरी ने विरोध किया था। पंकज चौधरी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने गोरखपुर में मठ के दबदबे की राजनीति को कभी पसंद नहीं किया।

कुछ स्रोतों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष पद पर चौधरी के नाम को योगी का समर्थन प्राप्त है। लेकिन विश्लेषक कह रहे हैं कि 'ओबीसी कुर्मी नेता चौधरी को जाति समीकरण की वजह से यह पद मिला है। योगी के पास समर्थन के अलावा और क्या चारा है।' लेकिन भाजपा महासचिव बीएल संतोष को योगी से बंद कमरे में बैठक करनी पड़ी। ताकि योगी की सहमति ली जा सके। सूत्रों का कहना है कि चौधरी के नाम पर योगी ने असहमति जताई है। कुल मिलाकर, रिश्ते पेशेवर हैं - सहयोग तो है, लेकिन गहरी निकटता नहीं। चौधरी राजनाथ सिंह के करीबी माने जाते हैं, जो योगी के साथ भी संतुलन बनाते हैं। यह नियुक्ति सरकार (योगी) और संगठन (चौधरी) के बीच बैलेंस का प्रयास लगता है, खासकर 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी की सीटें कम होने के बाद।

बीजेपी जातिवाद की राजनीति से इंकार करती रही है। लेकिन वो यूपी-बिहार-एमपी-राजस्थान में पूरी तरह जाति समीकरण पर चलती है। 2024 लोकसभा चुनावों में भाजपा को 62 में से 33 सीटें मिलीं। उसके ओबीसी वोटों में सेंध लगी। सपा-कांग्रेस गठबंधन ने पसमांदा (पिछड़ा-दलित) फॉर्मूले से 43 सीटें जीतीं। कुर्मी, जैसे चौधरी का समुदाय, जो 8-10त्न वोट बैंक है, सपा की ओर खिसक गया। सपा के लालजी वर्मा जैसे कुर्मी नेताओं ने इसका फायदा उठाया।

चौधरी की ताजपोशी को भाजपा का 'नॉन-यादव ओबीसी' दांव माना जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि 'भाजपा 2027 चुनावों के लिए नॉन-यादव वोटों को एकजुट करने के लिए ओबीसी नेता नियुक्त कर रही है।' कुर्मी समुदाय पूर्वांचल (गोरखपुर, वरिया, कुशीनगर) में मजबूत है, जहां भाजपा 2024 में कमजोर पड़ी।

पहले भी स्वतंत्र देव सिंह और विनय कटियार जैसे कुर्मी नेता अध्यक्ष बने, लेकिन मोदी और अमित शाह को पूर्ण वफादारी हासिल नहीं हुई।

2022 विधानसभा में ओबीसी आउटरीच के बावजूद, 2024 में मौर्य-कुशवाहा-शाक्य वोट सपा की ओर गए। लोकसभा के अंतिम चरण में नॉन-यादव ओबीसी उम्मीदवारों पर दांव खेला गया, जैसे चौधरी पर महराजगंज में।

सपा का पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) फॉर्मूला सफल रहा, जबकि भाजपा को ओबीसी रणनीति नई चाहिए। पंकज चौधरी की ताजपोशी बिहार के बाद कोइरी-कुर्मी को जोड़ने का प्रयास है। क्योंकि यूपी में 40 प्रतिशत ओबीसी वोट निर्णायक हैं।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हिंदुओं को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा

समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय हमें समाधान खोजने चाहिए : भागवत

संघ चीफ बोले-दीवारों पर विवेकानंद की तस्वीर हो या जैक्सन की, यह हमें तय करना होगा

श्री विजय पुरम (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि हिंदुओ को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा। इसके लिए वैसा ही आचरण करना होगा। हम जहां रहते है वो हिंदू घर की तरह सजा होना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर हो या माइकल जैक्सन की। भागवत ने ये बातें अंडमान के श्रीविजय पुरम में स्थित नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। बाकी दुनिया इसके उलट सोचती है। अगर हिंदू जागेंगे तो दुनिया जागेगी।

दुनिया मानती है कि भारत ही रास्ता दिखाएगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी काम को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है और शक्ति केवल एकता से आती है। दुनिया सत्य को नहीं शक्ति को देखती है। जिसके पास शक्ति है उसी की बात मानी जाती है। एक मजबूत समाज बनाने और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकता आवश्यक है। इसके साथ ही भागवत ने टकराव से बचने की भी सलाह दी। भगवान कृष्ण और जंगल में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कहानी सुनाते हुए कहा कि अर्जुन और सात्यकि ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार से वह और बड़ा होता गया।

कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचाया और बिना लड़ाई के उसे वश में करने के लिए समझदारी का इस्तेमाल किया। सबक यह है कि हर समस्या के लिए बल की आवश्यकता नहीं होती। समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करते हैं। हम परिवार के साथ घूमने जाते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप पेरिस, सिंगापुर जाओ। दुनिया घूमने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कभी-कभी श्री विजयपुरम भी जाओ, वहां सेल्युलर जेल देखो।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने नितिन नबीन

● बिहार सरकार में मंत्री हैं, नए अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को बीजेपी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें बीजेपी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति को धार देने में उनकी भूमिका अहम मानी जा रही है। नितिन नवीन की नियुक्त को बिहार की राजनीति में बीजेपी के संगठनात्मक विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है। रविवार को भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था। तब से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश की जा रही थी। नड्डा 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए थे। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष उनका कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। तब से वे एक्सटेंशन पर थे।

आने वाले वर्षों में इंदौर देश के अग्रणी महानगरों में होगा शामिल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदौर को दी विकास की अनेक सौगातें : मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक, इंदौर के विकास के लिये हुये कई अहम निर्णय

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को ब्रिलियेंट कन्वेशन सेंटर में इंदौर के विकास को नई गति देने के लिये महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास की अनेक सौगाते दीं। अधोसंरचनात्मक विकास को नई गति देने के लिये कई अहम निर्णय भी बैठक में हुये। इस मैराथन बैठक में इंदौर और उसके विस्तृत मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई बड़े निर्णय लिए गए। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और विशेषज्ञों ने सहभागी होकर शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, यातायात, उद्योग, शिक्षा, मेट्रोपॉलिटीनरिजन, पूर्व एवं पश्चिमी बायपास, इकॉनामिक कारिडोर, स्थानीय परिवहन, आईटी, पर्यटन और मास्टर प्लान से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बैठक इंदौर के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने

विश्वास व्यक्त किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी परियोजनाएँ धरातल पर उतरेंगी और इंदौर आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी महानगरों में शामिल होगा।

भूमिगत होगा मेट्रो का प्रमुख हिस्सा-राज्य सरकार देगी 800-900 करोड़ रुपए- बैठक में मेट्रो परियोजना के रूट निर्धारण पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि मूल प्रस्ताव संशोधित होने के बाद भी समस्याएँ बनी रहीं, इसलिए सुझाव आया कि मेट्रो के मुख्य हिस्से को पूरी तरह भूमिगत किया जाए। मुख्य हिस्से को भूमिगत करने के लिये निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए लगभग 900 करोड़ रुपये का भार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय इंदौर के भविष्य को देखते हुए लिया गया है ताकि मेट्रो का अधिकतम लाभ जनता को मिले और यातायात प्रबंधन बेहतर हो।

एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलिवेटेड कॉरिडोर की यह परियोजना इंदौर शहर के यातायात के लिये अतिमहत्वपूर्ण है। इसका निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाये। एलिवेटेड कॉरिडोर के जंक्शन, रोटरी, लंबाई आदि पर शीघ्र तकनीकी व जनप्रतिनिधियों की बैठक कर अंतिम डिज़ाइन तय करें। बैठक में बीआरटीएस हटने के बाद शहर में नए वैज्ञानिक ट्रैफिक सर्वे के आधार पर एकीकृत ट्रैफिक प्लान तैयार करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि यह परियोजना आने वाले 25-50 वर्षों तक इंदौर की ट्रैफिक समस्या का स्थायी समाधान देगी।

इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र का होगा विस्तार-14,000 वर्ग किमी में जुड़ेगा पूरा मालवा

बैठक में इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को भविष्य की दृष्टि से विस्तारित करने का निर्णय लिया गया। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, नागदा, बदनावर और शाजापुर-मक्सी क्षेत्रों के साथ जोड़कर लगभग 14,000 वर्ग किलोमीटर का मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि इस क्षेत्र में पाँच से अधिक बड़े रेलवे जंक्शन,एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, उज्जैन और रतलाम के भविष्य के एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे,दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन इन्हें आधार बनाकर इंदौर को देश का बड़ा व्यापार-उद्योग-पर्यटन हब बनाने की योजना है।

जबलपुर के 10 इलाकों में 1200 संदिग्ध बंजारा मुस्लिम

बिना घर-जमीन,सभी दस्तावेज बना लिए,बांग्लादेशी रोहिंग्या बताए जा रहे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर जिले में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) का काम तेजी से चल रहा है। हाल ही में मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने दावा किया है कि जिले में 1200 से अधिक संदिग्ध व्यक्ति हैं। विधायक ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी एक पत्र भेजा है। वहीं, हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी सामने आए हैं। उनका कहना है कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में 10 ऐसे डेरे हैं, जहां ठहरे लोग स्वयं को बंजारा मुस्लिम बताते हैं। इनके पास न घर है, न जमीन। बावजूद इसके हैरान करने वाली बात है कि इन्होंने पैन कार्ड,

आधार कार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र, मतदाता कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं। ये बंजारे कथित तौर पर रोहिंग्या व बांग्लादेशी हो सकते हैं। इनमें से कई संदिग्ध शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में फुटपाथों पर मूंगफली व अन्य सामग्री बेचते नजर आ रहे हैं। तमाम युवा व महिलाएं औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी कर रही हैं। इस बीच बरेला के हिनौतियां गांव में डेरा डाले ऐसे कुछ संदिग्धों पर पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई कर हटाया है। लेकिन, उन्होंने नीमखेड़ा पहाड़ी के पास डेरा डाल लिया है। प्रशासन सक्रिय हुआ तो जिले भर में कई स्थानों पर इनके ठिकानों का पता चला।

मोबाइल में नाम नहीं संख्या से दर्ज हैं नंबर

टीम के सदस्य संदिग्धों के पास पहुंचे तो उनकी बोली, भाषा, शारीरिक बनावट में भिन्नता मिली, जो उन्हें संदिग्ध बनाती है। इनके पास जो मोबाइल फोन हैं, उनमें नाम से मोबाइल नंबर, लैंडलाइन नंबर दर्ज नहीं हैं। नाम के स्थान पर अंक लिखे गए हैं। उदाहरण के लिए 77, 102, 999 आदि। लिहाजा मोबाइल देखकर सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं जान सकते। इन संदिग्धों के मोबाइल की काल डिटेल, पीएसटीएन डाटा निकालने की तैयारी पुलिस, प्रशासन ने की है। किसी जांच दल द्वारा पूछताछ की जाती है तो, अपना ठिकाना बदल लेते हैं।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए पर अखिलेश का हमला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डालर के मुकाबले कमजोर होते रुपये को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा है कि अब तक के इतिहास में डॉलर के मुकाबले रुपये का सबसे ज्यादा कमजोर होना ये दिखाता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे सारे आंकड़े और दावे पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। सोशल मीडिया की माइक्रो साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भाजपाई इस बात को नकार भी नहीं सकते हैं कि ये बेहद कमजोर और नाकाम सरकार की वजह से हो रहा है क्योंकि रुपया गिरने और सरकार के बीच के अनूठे आर्थिक सिद्धांत का अनोखा फार्मूला भाजपा की ही देन है।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

जो दिख रहा है उसी के अंदर जो
अन-दिखा है वो शा%इरी है
जो कह सका था वो कह चुका हूँ झ
जो रह गया है वो शा%इरी है
ये शहर सारा तो रौशनी में खिला
पड़ा है सो क्या लिखूँ मैं
वो दूर जंगल की झोंपड़ी में जो
इक दिया है वो शा%इरी है
दिलों के माबैन गुफ़्तुगू में
तमाम बातें इज़ाफ़तें हैं
तुम्हारी बातों का हर तवक़्क़ुफ़ जो
बोलता है वो शा%इरी है
तमाम दरिया जो एक समुंदर में
गिर रहे हैं तो क्या %अजब है
वो एक दरिया जो रास्ते में ही
रह गया है वो शा%इरी है

- अहमद सलमान

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27 °c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 15 दिसंबर 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
> चाणक्य नीति

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही है लगातार वृद्धि : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदौर में नवीन एमवाय अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

कुल 773.07 करोड़ रुपए लागत से निर्मित होगा 1450 बिस्तरीय नया अस्पताल भवन

इन्दौर में जैविक हार्ट बाजार का अवलोकन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में देश और प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में पिछले 11 वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। मध्य प्रदेश में नए-नए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज कॉलेज खोले जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए दिन-रात प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में कुल 773.07 करोड़ रुपए लागत से निर्मित होने वाले 1450 बिस्तरीय अस्पताल के नवीन भवन निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि जिस तरह इंदौर शहर हमारे प्रदेश का गौरव है, उसी तरह इंदौर के एमवाय अस्पताल की भी मध्यप्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि इंदौर में 1450 बिस्तरीय अस्पताल बन जाने से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि हमारे पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के मरीजों को भी यहां बेहतर स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को मिलाकर इस विभाग को और सशक्त बनाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि इंदौर के एमवाय अस्पताल में बोनमेरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को नए अस्पताल भवन के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्मित किए जाने वाले नए अस्पताल भवन में मेडिसिन वार्ड में कुल 330 बिस्तर, सर्जरी विभाग में 330 बिस्तर, ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 180 बिस्तर, शिशु रोग सर्जरी विभाग में 60, शिशु रोग वार्ड में 100, न्यूरो सर्जरी में 60, नाक कान गला विभाग में कुल 30, दंत रोग विभाग में 20, त्वचा रोग विभाग में कुल 20, मातृ एवं शिशु वार्ड में 100, नेत्र वार्ड में 80 तथा इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 180 बिस्तरीय सुविधा उपलब्ध रहेगी। नए अस्पताल भवन में कुल 1450 बिस्तरीय वार्डों के निर्माण पर कुल 528 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इसके अलावा 550 बिस्तरीय नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण पर 21.37 करोड़ रुपए, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम के निर्माण पर 1.60 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। इसके अलावा सार्वजनिक पार्किंग के निर्माण पर 31.50 करोड़ रुपए, विद्युतीकरण, बाउंड्रीवॉल एवं सोलर पैनल स्थापना पर 25.53 करोड़ रुपए तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, प्लंबिंग एवं वाटर सप्लाई संबंधी कार्यों कार्य पर लगभग 10 करोड़ रुपए लागत आएगी।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत उद्बोधन विधायक श्री गोलू शुक्ला ने दिया। कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक श्री मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे।

पंकज चौधरी बने यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष

- सीएम योगी की मौजूदगी में पीयूष गोयल ने की घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के बहुप्रतीक्षित प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा आखिरकार रविवार को हो गई है। पंकज चौधरी को यूपी बीजेपी का नया चीफ बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के बाद की गई है। शनिवार को एक ही नामांकन पत्र दाखिल होने के बाद यह साफ हो गया था कि पंकज चौधरी ही यूपी बीजेपी के अगले मुखिया होंगे। रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के केंद्रीय प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष

गोयल के नेतृत्व में नाम का ऐलान किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वस्ति वाचन, शंखनाद और डमरू वादन के साथ हुई। इसके बाद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने पार्टी का झंडा पंकज चौधरी को सौंपा। शनिवार को प्रदेश कार्यालय में दोपहर 2 बजे से 3 बजे के बीच नामांकन प्रक्रिया चली थी। इस दौरान पंकज चौधरी ने नामांकन किया था। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम नेता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। पंकज चौधरी के अकेले नामांकन करने के बाद यह साफ हो गया था कि प्रदेश अध्यक्ष के लिए कोई वोटिंग नहीं होने वाली है। उन्हें निर्विरोध ही चुन लिया जाएगा।

दलाई लामा का पुनर्जन्म 'स्वतंत्र देश' में ही होगा

- धर्मशाला में तिब्बती धार्मिक सम्मेलन में बोले संगठन चीफ

धर्मशाला (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी के संबंध में चीन को स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उनका पुनर्जन्म चीन के राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर किसी 'स्वतंत्र देश' में होगा। दलाई लामा ने यह बात 2 जुलाई को धर्मशाला में आयोजित 15वें तिब्बती धार्मिक सम्मेलन में 180 से अधिक बौद्ध नेताओं को भेजे गए एक पूर्व-रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि दलाई लामा संस्था बनी रहेगी और पुनर्जन्म की मान्यता का अधिकार केवल गादेन

फोड्रंग ट्रस्ट के पास है। निर्वासित तिब्बती सरकार, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष पेनपा त्सेरिंग ने भी चीन के हस्तक्षेप को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म तिब्बती परंपरा का एक आंतरिक मामला है और इस पर अंतिम निर्णय दलाई लामा का ही होगा। 6 जुलाई को अपने 90वें जन्मदिन पर भी दलाई लामा ने इस बात को दोहराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि तिब्बती बौद्ध चीन द्वारा नियुक्त किसी भी पुनर्जन्म को स्वीकार नहीं करेंगे। इस बीच, तिब्बती युवा कांग्रेस ने चीन समर्थित पंचेन लामा ग्यालत्सेन नोरबू के एक बयान की कड़ी निंदा की। नोरबू ने 8 दिसंबर को शिगात्से में कहा था कि पुनर्जन्म चीनी कानून और अनुमोदन के अनुसार होगा। टीवायसी ने इसे तिब्बती धर्म पर बीजिंग की साजिश करार दिया। टीवायसी ने अपने प्रेस बयान में कहा कि यह सदियों पुरानी तिब्बती परंपराओं का अपमान है। संगठन ने चीन पर गंभीर आरोप लगाया है।

मेसी के टूर ऑर्गनाइजर को झटका, नहीं मिली जमानत

- 14 दिन की कस्टडी में भेजा, जांच पैनल और गवर्नर स्टेडियम पहुंचे

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी के इंडिया टूर के ऑर्गनाइजर सतादु्रु दत्ता को जमानत नहीं मिली है। बिधाननगर कोर्ट ने मेसी के इंडिया टूर 2025 के प्रमोटर और आयोजक सतादु्रु दत्ता को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सतादु्रु पर इवेंट में मिसमैनेजमेंट के आरोप हैं। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट में कस्टडी की मांग करते हुए कुछ कॉन्स्टेबलों को चोट लगने और मेसी के मैदान में आने पर भीड़ को मैनेज करने में हुई दिक्कतों का हवाला दिया था। दरअसल, 13 दिसंबर को स्टेडियम से मेसी के जल्दी निकल जाने के बाद फैंस भड़क गए। दूर-दूर से आने और टिकटों के लिए भारी रकम चुकाने के बावजूद वे अपने सुपरस्टार की एक झलक भी नहीं देख पाए।

समुद्र किनारे त्योहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी बीच में हुआ हादसा, 12 लोगों की मौत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर त्योहार मना रहे यहूदियों पर दो हमलवारों ने फायरिंग की है। इसमें कम से कम 12 लोगों की मौत की खबर है। पुलिस ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा है। सोशल मीडिया पर डाले गए डरावने

वीडियो में रविवार दोपहर नॉर्थ बॉन्डी बीच पर बड़ी संख्या में लोग रेत पर दौड़ते हुए नजर आ रहे। इसी दौरान तेज गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। एक दूसरे वीडियो में काले कपड़े पहने दो युवक दिखाई दे रहे, जो सड़क पर खड़े होकर हाई पावर हथियारों से फायरिंग कर रहे थे। हथियार शॉटगन जैसे लग रहे।

आसपास मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए जान बचाकर भागते दिख रहे। पुलिस ने हमलावर माने जा रहे एक शख्स को गोली मार दी, जबकि दूसरे हमलावर माने जा रहे व्यक्ति को पकड़ लिया गया। फिलहाल दोनों पुलिस की हिरासत में हैं। सिडनी में सुरक्षा हालात को देखते हुए यहूदी बोर्ड ऑफ डेप्युटीज ने यहूदी समुदाय के लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। बोर्ड ने अगले आदेश तक सभी कार्यक्रमों और सामुदायिक संस्थानों को बंद कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 30 साल में सबसे बड़ी मास शूटिंग

यह घटना ऑस्ट्रेलिया में करीब 3 दशक की बड़ी मास शूटिंग है। इससे पहले मास शूटिंग की घटना 28 अप्रैल 1996 को हुई थी, जिसे पोर्ट आर्थर नरसंहार के नाम से जाना जाता है। इस घटना में मार्टिन ब्रायंट नाम के व्यक्ति ने तस्मानिया के पोर्ट आर्थर में 35 लोगों की हत्या कर दी और 23 को घायल किया था।

आम नागरिक ने हथियारबंद हमलावर को पकड़ा

बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी के दौरान एक आम नागरिक ने हथियारबंद हमलावर को दबोचा लिया। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें यह व्यक्ति अपनी जान जोखिम में डालकर हमलावर से राइफल छीनता नजर आता है। उसकी इस बहादुरी से कई लोगों की जान बच गई। वीडियो के मुताबिक, हमलावर कैंपबेल परेड कार पार्क के पास घास वाले इलाके से राइफल से फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति, जो सफेद शर्ट और काली पैंट पहने हुए था, कार पार्क में खड़ी गाड़ियों के पीछे झुककर आगे बढ़ता है। फायरिंग के बीच वह धीरे-धीरे हमलावर के करीब पहुंचता है और अचानक उस पर झपट्टा मारकर राइफल छीन लेता है। इसके बाद हमलावर को जमीन पर गिराकर काबू में कर लिया।

लश्कर कमांडर अब्दुल रऊफ ने भारत को दी हमले की धमकी

बोला-हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया है। उसने कहा कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे। यह वीडियो नवंबर का है, लेकिन अभी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रऊफ ने कहा,मक्की साहब कहते थे, हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा। गजवा-ए-हिंद होकर रहेगा। हम एक दिन ये निजाम बदल देंगे और इस मुल्क में शरिया की हुकूमत लेकर आएंगे। हम जीती हुई

कौम हैं। रऊफ ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं करेगी और पाकिस्तान इस्लामी देशों में इकलौती परमाणु शक्ति है। रऊफ ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अगले 50 साल तक पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा। वीडियो में रउफ ने जिस मक्की का नाम लिया है, वह मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का साला है। पिछले साल दिसंबर में दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। रऊफ, लश्कर सरगना हाफिज सईद का करीबी सहयोगी है।

गुजरात में पुलिस-फॉरेस्ट टीम पर हमला, 47 घायल

- दावा-पौधे लगाने गई थी टीम, 500 की भीड़ ने बोला हमला

बनासकांठा (एजेंसी)। अंबाजी तीर्थ शहर से 14 किमी दूर दांता तालुका के पाडलिया गांव में शनिवार दोपहर 500 लोगों ने वन विभाग और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इन लोगों ने पत्थरबाजी की। गुलेल चलाए और तीरों से भी पुलिस कर्मियों को निशाना बनाया। भीड़ ने पुलिस और वन विभाग के सरकारी वाहनों में भी आग लगा दी। टीम गांव में पौधारोपण करने पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों ने टीम हमला कर दिया। हमले के दौरान वन विभाग के वाहनों में आग लगा दी गई और सरकारी वाहनों के टायर काट दिए गए।

मोदीजी का कॉन्फिडेंस खत्म, शाह के हाथ कांपते हैं

रैली में राहुल गांधी बोले-उनकी वोट चोरी पकड़ी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ रैली निकाली। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा-पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। अमित शाह के हाथ कांपते हैं। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- इन लोगों ने (केंद्र सरकार) ने हमारा वंदेमातरम् भी चोरी किया है। ये लोग नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करते हैं। गांधी-नेहरू अंबेडकर पर हमला बोलते हैं। इन गद्दारों को आपको हटाना होगा। वहीं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा- आज न्यायालय पर दबाव है। सारी मीडिया अंबानी-अडाणी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया।

प्रियंका बोलीं- हमने जो बनाया, बीजेपी ने सब बिखेर दिया

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज पीएम मोदी बड़े-बड़े राष्ट्रपतियों के साथ हाथ में हाथ डालकर फोटो खिंचाते हैं, लेकिन जनता के साथ नहीं खड़े होते हैं। ये आपसे नहीं पूछ सकते कि आपके दुख क्या हैं। संसद में इनका आत्मविश्वास घट जाता है। आंख से आंख नहीं मिला पाते। जनता का विश्वास मोदी शाह से हट चुका है।

खड़गे बोले-बेटे को कुछ भी हो, देश के लोगों को नहीं

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मेरे बेटे का आठ घंटे का ऑपरेशन होना था। मुझे घर से भी फोन आया कि आपको आना चाहिए, लेकिन जब देश के लिए जवान मर रहे हैं, इंदिरा-राजीव ने कुर्बानी दी, सोनिया ने सब कुछ त्याग दिया। मैं अपने बेटे के लिए इस लड़ाई को छोड़कर नहीं जा सकता। बेटे को कुछ भी हुआ कोई बात नहीं, मगर देश के लोगों को कुछ नहीं होना चाहिए।

एमपी में महिलाओं-बच्चों पर अपराध के 10 हजार केस पेंडिंग

यूपी के बाद देश में दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश ; सबसे ज्यादा फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट

भोपाल (नप्र)। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की सुनवाई के लिए मध्य प्रदेश में 67 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय संचालित हो रहे हैं। इनमें से 56 अदालतें विशेष पॉस्को कोर्ट हैं। एमपी में फास्ट ट्रैक अदालतों का मजबूत ढांचा होने के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामलों का बोझ कम नहीं हो रहा है।

देश भर में 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट- केंद्र सरकार के मुताबिक, 30 सितंबर 2025 तक देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें कार्यरत हैं, जिनमें मध्य प्रदेश का हिस्सा उल्लेखनीय है। इसके बावजूद राज्य में महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों का बोझ कम नहीं हुआ है।

राज्य	फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट
यूपी	218
एमपी	67
केरल	55
बिहार	54
राजस्थान	45
देश में कुल	773

देश में मध्य प्रदेश की भूमिका- मध्य प्रदेश उन राज्यों में शामिल है जहां फास्ट ट्रैक कोर्ट की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। तुलना करें तो उत्तर प्रदेश में 218, बिहार में 54, राजस्थान में 45, ओडिशा में 44 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट हैं। जबकि मध्य प्रदेश में 67 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें संचालित हैं।

सरकार का तर्क- केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों की स्थापना न्यायिक संशोधन अधिनियम 2018 और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत की गई है।

भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन 20 दिसंबर को

वर्चुअली जुड़ेंगे प्रधानमंत्री, मिंटो हॉल में पीएम का लाइव...फिर मेट्रो में बैठेंगे सीएम-मंत्री

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन अब तय समय से 1 दिन पहले यानी, 20 दिसंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे और मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेट्रो में बैठेंगे। पहले मेट्रो की शुरुआत 21 दिसंबर को होनी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो में मेट्रो की शुरुआत करने की बात कही थी, लेकिन अब यह बदलाव हुआ है। संभावित शेड्यूल के मुताबिक, 20 दिसंबर को शाम 4 बजे कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में मुख्य कार्यक्रम होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी का लाइव रहेगा। यानी, वे वर्चुअली जुड़ेंगे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री समेत प्रदेश के कई मंत्री, सांसद-विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि मेट्रो में सवार होंगे। सुभाषनगर स्टेशन से शाम 5 बजे मेट्रो चलेगी और 6.22 किलोमीटर की दूरी तय कर एम्स स्टेशन पहुंचेगी। इन दोनों स्टेशनों को सजाने का काम शुरू हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर मेट्रो कॉरपोरेशन ने अपनी सिक्योरिटी तैनात कर दी है। फिलहाल किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्टेशन के अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। सुभाषनगर-एम्स के साथ ही केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस और अलकापुरी में भी सुरक्षा का कड़ा घेरा है। मेट्रो के अंदर के काम तो हो चुके हैं, लेकिन बाहरी जो काम पेंडिंग हैं, वे पूरे किए जा रहे हैं। अफसरों का कहना है कि बाहरी काम दो-तीन महीने तक चलते रहेंगे। इससे मेट्रो का कमर्शियल रन प्रभावित नहीं होगा।

एम्स स्टेशन पर मीडिया से चर्चा करेंगे केंद्रीय मंत्री- अब तक के प्लान के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री खट्टर और सीएम डॉ. यादव एम्स स्टेशन पर मीडिया से चर्चा करेंगे। वे यहां पर मेट्रो से जुड़ी सारी जानकारी देंगे और आगे का रोड मैप बताएंगे।

परिक्रमा

समग्र विकास का दावा करते मुख्यमंत्री मोहन यादव

अरुण पटेल

लेखक
सुबह सवेरे के
प्रबंध संपादक हैं

अपनी-अपनी सरकारों का दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी-अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए दावा कर रहे हैं कि नक्सल समस्या के खात्मे के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री साय का दावा है कि सरकार के गठन के दूसरे दिन ही 18 लाख से अधिक जरुरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गयी और किसानों के लिए 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर किसानों के लिए खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया गया है। 70 लाख माता-बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता दी जा रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तो एक कदम आगे बढ़कर दावा कर रहे हैं कि जैसे नक्सलवादियों का सफाया किया वैसे ही अब नशा माफिया पर शिकंजा कसेंगे। मध्यप्रदेश में 32 लाख करोड़ के जो निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं उससे 23 लाख लोगों को रोजगार सुलभ होगा।

यदि डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सही मायने में नशे का अवैध कारोबार करने वालों पर पूरी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ प्रहार कर दिया तो फिर इससे न केवल हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवर जायेगा अपितु नशाखोरी के धंधे पर भी एक बड़ी सीमा तक रोक लग सकेगी। अपनी सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने के एक दिन पूर्व ही मीडिया के समक्ष सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि जैसे हमने नक्सलियों का सफाया किया वैसे ही नशे का नेटवर्क भी ध्वस्त करेंगे और यह तभी संभव होगा जबकि समाज का पूरा साथ मिलेगा। डॉ. यादव का यह कहना परिस्थितियों का सही आंकलन ही पेश करता है क्योंकि जब तक नशाखोरी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी का समर्थन व सहयोग नहीं मिलेगा तब तक कोई भी सरकार इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकती। जो लोग नशाखोरी के आदी हो गये हैं उन्हें भी इस बुरी आदत को छोड़ने के लिए मानसिक रुप से तैयार होना होगा। नशे के अवैध कारोबार करने वालों को बक्शा नहीं जायेगा, कहते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव यह कहने से नहीं चूके कि अक्टूबर 2024 में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मध्यप्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया था। भोपाल में मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्री से 1800 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स बरामद की गयी

थी, दो आरोपी भी दबोचे गये थे। इस साल अगस्त में फिर राजस्व खुफिया निदेशालय ने भोपाल में 92 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स पकड़ी थी। नवम्बर माह के पहले सप्ताह में धार के ऐसे युवक को इंदौर क्राइम ब्रान्च ने पकड़ा जो आनलाइन आर्डर पर इंदौर में एमडी ड्रग्स की सप्लाई करता था। छिंदवाड़ा में 63.62 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन युवक पकड़े गये थे। ऐसी कार्रवाइयां होती रहती है फिर भी नेटवर्क ध्वस्त नहीं हो रहा है ऐसे में मोहन यादव सरकार आगामी तीन वर्ष में नशे का नाश करेगी, यह भी डॉ. मोहन ने तय किया है।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश तेजी से आये इसके लिए डॉ. मोहन यादव ने सरकार की नीतियों में भी कुछ परिवर्तन कर उन्हें उद्योग फ्रेंडली बनाया है। अभी तक 8.57 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर अमल भी आरम्भ हो गया है। उद्योगों में सबसे ज्यादा निवेश मालवा एवं राजधानी के आसपास के क्षेत्रों में हो रहा है। जीएसआई सहित ज्यादातर समिट में प्रदेश के कुछ जिलों को ही बड़े निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं, इनमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर, मुरैना शामिल हैं। निवेश के लगभग 84 प्रस्ताव मिले हैं इनमें 32 इंदौर और 22 भोपाल को मिले हैं, जबलपुर को 9, रीवा और शहडोल को सात-सात उज्जैन को चार, सागर को तीन नर्मदापुरम को छः तथा चम्बल में मुरैना को और ग्वालियर को एक-एक प्रस्ताव मिला है। डॉ यादव का कहना है कि अब इन सब प्रस्तावों को जमीन पर उतारेंगे। डॉ. यादव यह भी कह रहे हैं कि कोयम्बटूर के उद्योगपतियों ने उन्हें बताया कि जिन भागों से उनके कपड़ा उद्योग को गति मिलती है वह कपास मध्यप्रदेश से आता है। इसलिए हमने तय किया है कि प्रदेश के कपास से प्रदेश में ही धागा बनेगा और कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में हम आगे बढ़ेंगे।

और यह भी

डॉ. मोहन यादव सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर सरकार की घेराबंदी करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, हेमंत कटारे, सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने सरकार की नाकामियों की फेहरिस्त गिनाई है। पटवारी का आरोप है कि मुख्यमंत्री उपलब्धियां गिना रहे हैं और प्रदेश चार लाख 75 हजार करोड़ रुपये के कर्ज में डूबा हुआ है। किसानों को खाद नहीं मिल रही, बच्चे चार-चार दिन लाइन में खड़े रहते हैं। वहीं राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कह रहे हैं कि इंदौर, भोपाल का मास्टर प्लान नहीं आया। बिजली दरों एवं ओबीसी आरक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाये हैं। उनका आरोप है कि कागजों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण है लेकिन जमीन पर शून्य है। मक्का, सोयाबीन और गेहूं के लिए किसानों को उचित मूल्य सरकार क्यों नहीं दे पा रही यह भी सवाल उन्होंने उठाया है।

77 हजार की वाइन, वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

इंदौर। शराब के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन और भंडारण के खिलाफ आबकारी विभाग लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रहा है। विभाग ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा और एक दोपहिया वाहन जब्त किया, जिनकी कुल कीमत लगभग 77 हजार रुपए से अधिक है। सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि शहर में अवैध मदिरा के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई लगातार जारी है। क्षेत्रीय गश्त के दौरान शंका के आधार पर अभिलाषा नगर चौराहा, नेमावर रोड, इंदौर पर दोपहिया वाहन को रोका गया। वाहन मालिक के बैग की तलाशी लेने पर गत्ते की एक पेटी में अवैध देसी मदिरा के 50 पाव पाए गए। इस मामले में आरोपी विक्की शर्मा पिता अशोक शर्मा को गिरफ्तार किया गया। जब्त की गई अवैध मदिरा और दोपहिया वाहन की कुल कीमत 43 हजार 750 रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस का एक्शन, रीगल चौराहे पर ड्रोन सर्वे, लेफ्ट टर्न- रोटरी की जांच

● सड़कों की चौड़ाई भी टेप से नापी गई

इंदौर। जाम की समस्या को देखते हुए शनिवार को ट्रैफिक पुलिस के अफसर मैदान में उतरें। वे रीगल चौराहे पहुंचे, जहां जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। यहां उन्होंने चौराहे का ड्रोन वीडियो भी बनवाया। साथ ही यहां आ रही दिक्कतों को भी देखा। इसमें क्या कुछ सुधार हो सकता है, इसे भी चेक किया गया। अब इसकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी और संबंधित विभाग को भी भेजेंगे। शहर में कई जगह जाम की समस्या के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रीगल चौराहे पर भी जाम की स्थिति बनने लगी। इन्हीं समस्याओं को लेकर ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी रीगल चौराहे पहुंचे। उन्होंने लेफ्ट टर्न, रोटरी सहित सड़कों की चौड़ाई भी टेप से नापी। डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा कहां समस्या ज्यादा है, कहां ट्रैफिक जाम ज्यादा है, इसी को देख रहे हैं। इसी के तहत रीगल चौराहे की समस्या का पता लगाया जा रहा है। लेफ्ट टर्न और रोटरी को देखा कि इसमें सुधार कैसे संभव है। इसकी स्टेटस रिपोर्ट तैयार करने के बाद संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि अगले एक महीने में 10-15 जगह विजिट की जाएगी। इंजीनियरिंग से चीजें कैसे सुधार सकते है, इसका अवलोकन करेंगे संबंधित विभाग से भी बात करेंगे। ड्रोन से वीडियो भी बना रहे है। रोटरी और लेफ्ट टर्न का मेजरमेंट कर रहे है। रोड़ कितना चौड़ा है। इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार की जा रही है, फिर इसे अपडेट किया जाएगा।

नकली घी पर प्रशासन का शिकंजा तीन इकाइयों पर सख्त कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं खाद्य औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पालदा स्थित श्रीराम मिल्क फूड डेरी इंडस्ट्रीज एवं उससे संबद्ध इकाइयों पर की गई कार्रवाई में नकली घी के बड़े खेल का खुलासा हुआ। टीम ने विभिन्न ब्रांड के घी के 10 नमूने लेकर लगभग 3409 लीटर घी जब्त किया, जिसकी बाजार कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई। जांच में 7 नमूने अवमानक पाए गए, जबकि 3 की जांच जारी है। जांच में यह भी सामने आया कि एक ही परिसर में तीन अलग-अलग फर्मों के नाम से कार्य किया जा रहा था, जबकि मशीनरी, भंडारण और लेन-देन एक ही व्यक्ति द्वारा संचालित हो रहा था। पूर्व में भी मदर चॉइस घी के मामलों में इंदौर सहित कई जिलों में दोषसिद्ध हो चुकी है। गंभीर अनियमितताओं के चलते तीनों फर्मों के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। इधर, शनिवार को गाड़ी अड्डा स्थित श्याम मार्केटिंग पर भी नकली घी की आशंका में कार्रवाई की गई। अत्यंत कम कीमत पर रखे घी के 4 नमूने लेकर 74 किलो माल जब्त किया गया।

दाहोद रेल परियोजना का अधिकांश काम पूरा, पीथमपुर टनल जल्द पूर्ण

● टीही से धार तक 35 किमी ट्रैक तैयार, फिर पटरी पर दौड़ेगी ट्रेन

इंदौर। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत पीथमपुर की बहुप्रतीक्षित टनल का काम अंतिम चरण में पहुंच गया। टीही से धार तक 46 किमी के हिस्से में से लगभग 35 किमी में रेलवे ट्रैक तैयार कर अस्थायी पटरियां भी बिछा दी गई। वहीं टनल के दोनों ओर पीथमपुर स्टेशन तक और धार से पहले के हिस्सों में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इससे धार जिले के लोगों का रेल कनेक्टिविटी का सपना अब साकार होने के करीब है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले चार नए स्टेशन पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार की इमारतें बन चुकी हैं। अब फिनिशिंग का काम चल रहा है। इंदौर से टीही तक का रेल खंड पहले ही पूरा हो चुका था, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र में टनल निर्माण के कारण आगे का काम रुका हुआ था। अब टनल का निर्माण तेज गति से किया जा रहा है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट को गति मिली। इससे आदिवासी अंचल को रेल सेवा का सीधा लाभ मिलेगा। करीब 3 किमी लंबी यह टनल जिले के आदिवासी अंचल को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। फरवरी 2026 तक टनल पूरी करने का लक्ष्य है। टनल के बनते ही धार, झाबुआ जैसे क्षेत्रों का सीधा संपर्क इंदौर, पीथमपुर और आगे गुजरात से हो जाएगा। घटेगी इंदौर-मुंबई की दूरी 204 किमी लंबी इंदौर-दाहोद रेल परियोजना से इंदौर और मुंबई के बीच दूरी कम होगी और गुजरात के लिए एक नया वैकल्पिक रूट मिलेगा। यह परियोजना मध्यप्रदेश के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रेलवे ने टनल कार्य की डेडलाइन फरवरी 2026 तय की है। 2.95 किमी लंबी टनल में अब तक 1.87 किमी का काम पूरा हो चुका है और इस हिस्से में ट्रैक बिछाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तय समयसीमा में काम पूरा कर लिया जाएगा। वर्ष 2008 में स्वीकृत इस परियोजना की लागत अब 1680 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। परियोजना के पूरा होते ही इंदौर के बाद राऊ, टीही, पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार स्टेशन सीधे रेल नेटवर्क से जुड़ जाएंगे, जिससे जिले के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

बीच-बचाव करने वाले युवक पर हमला

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच झगड़ा शांत कराने गए एक युवक पर ही आरोपियों ने हमला कर दिया। घटना नट कॉलोनी स्थित एक किराना दुकान के सामने की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार घायल युवक रोहित पिता धर्मेन्द्र चौहान निवासी नट कॉलोनी अपने दोस्त दीप की शादी में शामिल होने गया था। घटना नट कॉलोनी स्थित एक किराना दुकान के सामने की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार घायल युवक रोहित पिता धर्मेन्द्र चौहान निवासी नट कॉलोनी अपने दोस्त दीप की शादी में शामिल होने गया था। बारात के दौरान नाचते समय आरोपी राम हटकर पिता संजय हटकर का मोहल्ले के कुछ लोगों से विवाद हो गया। हालात बिगड़ते देख रोहित ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। इस बात से नाराज होकर राम हटकर और उसके भाई लक्की हटकर ने रोहित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब रोहित ने विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी और पास पड़ी ईंट उठाकर उसके सिर पर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चंदन नगर पुलिस ने रोहित की शिकायत पर दोनों आरोपी भाइयों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में नेशनल लोक अदालत में 201 मामले निराकृत

लोक अदालत को त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय का मंच बताया

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश के अनुसार एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 की चतुर्थ एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में सफलतापूर्वक हुआ। लोक अदालत के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण न्याय का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

लोक अदालत में सिविल (एमएसीटी), रिट, क्रिमिनल सहित विभिन्न प्रकृति के कुल 639 प्रकरण सुनवाई के लिए रखे गए। इनमें से आपसी सुलह एवं सहमति के आधार पर 201 मामलों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 2 करोड़ 38 लाख 39 हजार 178 रुपये के अवार्ड पारित किए गए, जिससे 1038 पक्षकारों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के सभागार में न्यायाधिपति विनोद कुमार द्विवेदी एवं न्यायाधिपति जय कुमार पिल्लई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल रजिस्ट्रार अनूप कुमार त्रिपाठी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी नीरज मालवीय, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रितेश ईनानी, खंडपीठ सदस्य अधिवक्ता नितिन सिंह भाटी, अभय सारस्वत सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि एवं न्यायालय व विधिक सेवा समिति के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। न्यायाधिपति ने अपने उद्बोधन में नेशनल लोक अदालत को त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय का प्रभावी मंच बताया। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से मामलों के निराकरण से समय, श्रम और धन की बचत होती है तथा न्यायिक व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और संतोष और अधिक मजबूत होता है।

दहशत फैलाने के लिए कारों के कांच फोड़े, पुलिस ने उठक-बैठक लगवाई

आरोपी बोला, आज के बाद कभी ऐसी कोई गलती नहीं करुंगा

इंदौर। कारों के कांच फोड़कर इलाके में दहशत फैलाने वाले एक आरोपी को द्वारकापुरी पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने इलाके में उसका जुलूस निकाला और उठक-बैठक लगवाई। आरोपी बोला कि आज के बाद कोई गलती नहीं करुंगा। सूर्यदेव नगर में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने कारों पर पत्थर बरसाकर कांच फोड़ दिए थे। उन्होंने कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया था। मामले में पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे। इसमें एक आरोपी रोहित नडेला की पहचान हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वह कुंदन नगर का रहने वाला है। पुलिस ने

उसका इलाके में जुलूस निकाला। गुस्से में की तोड़फोड़ डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि द्वारकापुरी इलाके में तीन-चार लोगों ने नशे की हालत में कारों के कांच फोड़े और बाइक को भी नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया था। आरोपी को कल रात को ही पुलिस ने हिरासत में लिया और विधिवत कार्रवाई की। पूछताछ में ये पता चला कि रात में उन्होंने शराब पी और वे रात करीब 12:30 निकले। इस दौरान रास्ते में उनका किसी से झगड़ा हो गया। यहां से निकलने के बाद उन्होंने गुस्से में इस वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद इलाके के रहवासी द्वारकापुरी थाने पहुंचे और घटनाक्रम बताते हुए शिकायती पत्र सौंपा। वहीं एक अन्य महिला की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। इसका एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था जिसमें आरोपी वारदात करते नजर आ रहे थे।

सौतेली बेटी से दुष्कर्म के आरोपी पिता को दोहरी उम्र कैद की सजा

जुर्माना भी किया, पीड़िता को 3 लाख मुआवजे के आदेश

इंदौर। जिला एवं सत्र न्यायालय, इंदौर की विशेष रूप से गठित पॉक्सो अदालत ने एक संवेदनशील और जघन्य अपराध में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सौतेली बेटी से बलात्कार के दोषी सौतेले पिता को दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला पॉक्सो विशेष न्यायाधीश नौशीन खान ने सुनाया। लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि अदालत ने आरोपी को विभिन्न धाराओं में कठोर दंड देकर समाज में कड़ा संदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला एक नाबालिग बालिका का है, जिसके पिता का निधन हो चुका था। इसके बाद उसकी मां ने दूसरा विवाह किया। शादी के कुछ ही समय बाद सौतेले पिता ने बच्ची के साथ बार-बार यौन शोषण शुरू कर दिया। आरोपी ने बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर चुप रहने का दबाव बनाया। कुछ समय बाद वह घर छोड़कर चला गया, लेकिन करीब डेढ़ साल बाद लौटकर फिर से नाबालिग के साथ ज्यादती करने लगा। मामले को उजागर होने से रोकने के लिए आरोपी ने मां और बेटी के आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने की भी कोशिश की, ताकि मामला पुलिस तक न पहुंचे। अंततः पीड़िता की हिम्मत और परिस्थितियों के चलते मामला सामने आया। पुलिस निरीक्षक सतीश पटेल ने प्रकरण की गहन जांच कर साक्ष्य जुटाए और न्यायालय में चालान पेश किया। सहायक जिला लोक अभियोजक लतिका जामरा ने प्रभावी पैरवी की। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 5 एवं 6 के तहत दोहरी उम्र कैद, धारा 13 एवं 14 के तहत 7 वर्ष का कठोर कारावास तथा आईटी एक्ट के तहत 3 वर्ष की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 3 लाख रुपए मुआवजा देने के आदेश दिए गए।

संपादकीय

भारत : अमीर-गरीब की बढ़ती खाई

आमदनी और सम्पत्ति के संदर्भ में हाल में जारी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 'वर्ल्ड इनइक्वेलिटी रिपोर्ट 2026 जहां भारत में अमीरों और गरीबों के बीच आर्थिक खाई को रेखांकित करती है, वहीं यह दुनिया भर में पुरूष और महिलाओं के बीच आर्थिक असमानता को भी उजागर करती है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि देश में तमाम आर्थिक तरक्की के दावों के बाद भी सारी सम्पत्ति सिर्फ 2 फीसदी लोगों के हाथों में सिमटती जा रही है, जबकि इसका अमीर और गरीबों के बीच आनुपातिक बंटवारा होना चाहिए था। बहरहाल, इस रिपोर्ट को अर्थशास्त्री लुकस चांसेल, रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा, रोवाइडा मोशरिफ़ और थॉमस पिकेटी ने तैयार किया है। साल 2018 और 2022 के बाद ये तीसरी वर्ल्ड इनइक्वेलिटी रिपोर्ट है। इसे दुनियाभर के 200 से अधिक स्कॉलर्स की मदद से तैयार किया गया है। वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब के को-डायरेक्टर थॉमस पिकेटी के अनुसार ये रिपोर्ट राजनीतिक लिहाज़ से चुनौतीपूर्ण समय पर आई है, लेकिन ये पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी है। ऐतिहासिक तौर पर बराबरी के लिए चलाए गए आंदोलनों को जारी रखते हुए ही हम आने वाले दशकों में सामाजिक और जलवायु से संबंधित चुनौतियों से निपट पाएंगे। भारत के संदर्भ मे यह रिपोर्ट खास महत्व रखती है। इसके मुताबिक आज भारत की कुल आय का लगभग 58 फ़ीसदी हिस्सा 10 फ़ीसदी लोग ही कमा रहे हैं। नीचे के 50 फ़ीसदी लोगों का भारत की आमदनी में हिस्सा महज़ 15 फ़ीसदी ही है। भारत में ये असमानता सिर्फ़ आमदनी में ही नहीं है। सम्पत्ति के पैमाने पर तो यह और गहरी है। हकीकत यह है कि आज देश के सबसे अमीर 10 फ़ीसदी लोग देश की लगभग 65 फ़ीसदी सम्पत्ति के मालिक हैं। इनमें से भी टॉप एक फ़ीसदी अमीर लोगों के पास देश की 40 फ़ीसदी धन-संपत्ति है। साल 2014 से 2024 के बीच भारत में आय के लिहाज़ से शीर्ष 10 फ़ीसदी और निचले 50 फ़ीसदी के बीच फ़ासला स्थिर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय (पर्चेज़िंग पावर पैरिटी) सालाना 6200 यूरो है, जो भारतीय मुद्रा के हिसाब से करीब साढ़े छह लाख रुपये होते हैं। रिपोर्ट कहती है कि भारत में प्रति व्यक्ति सम्पत्ति करीब 28 हज़ार यूरो है, जो भारतीय मुद्रा में क़रीब 29 लाख रुपये से अधिक है। यह रिपोर्ट भारत सहित पूरी दुनिया पुरूष और स्त्रियों के बीच आय और सम्पत्ति की असमानता की खाई को बताती है। रिपोर्ट कहती है कि लैंगिक आधार पर वेतन की असमानता दुनियाभर में बनी हुई है। ये दिक्कत असंगठित क्षेत्र में अधिक है। अगर महिलाओं के घर में किए गए काम के घंटों को भी जोड़ लिया जाए तो वो एक सप्ताह में औसतन 53 घंटे काम करती हैं, जबकि पुरुष 43 घंटे ही काम करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगर महिलाओं के इन अवैतनिक कामों को छोड़ भी दिया जाए तो भी वह पुरुषों को प्रति घंटे मिलने वाले वेतन का सिर्फ़ 61 फ़ीसदी ही कमाती हैं। अगर अवैतनिक श्रम को भी जोड़ें तो यह आंकड़ा घटकर 32 फ़ीसदी रह जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में महिलाओं की श्रम क्षेत्र में हिस्सेदारी भी बहुत कम है। सिर्फ़ 15.7 फ़ीसदी महिलाएं ही श्रम शक्ति का हैं। इस आंकड़े में पिछले एक दशक से कोई सुधार नहीं हुआ है। भारत में आय, संपत्ति और लैंगिक असामानता गहराई से जमी हुई है। यह वाकई चिंताजनक है और सरकार को इस स्थिति को बदलना बड़ी चुनौती है। क्योंकि एक तरफ हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ अमीरों और गरीबों की खाई कम होने की जगह बढ़ती ही जा रही है।

न्यायाधीश महोदय- आपके पास संविधान का चाबुक है

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास प्रदूषण मिटाने की कोई जादू की छड़ी नहीं है उनके इस बयान को निराशा माना जाये या कमजोरी माना जाये यह विचारणीय है। परन्तु उनके इस बयान से प्रदूषण से पीड़ित लोगों के लिये निराशा हुई है।

पिछले लगभग 3 माह से दिल्ली का प्रदूषण नर हत्यारा जैसा बन गया है और पिछले 20-30 दिन से तो दिल्ली के प्रदूषण का मानक 600 और उससे अधिक तक का रहा है। इतना ही नहीं इस प्रदूषण में जो धूल के कण हैं या अन्य जहरीले तत्व कण हैं वे भी लोगों को अगर मार नहीं रहे तो मौत की ओर धकेल रहे हैं।

अक्टूबर माह में दिवाली के बाद से अभी तक दिल्ली का प्रदूषण धुंध की छाया में है हालाँकि सरकार ने बहुत प्रचार किया था कि दीपावली के बाद पानी का छिड़काव कर प्रदूषण कम करेंगे। जैसा की आमचलन है कि पानी का छिड़काव वीआईपी और भाजपा की सत्ता के आसपास होकर रह गया। सत्ताधीशों और अफसरों के घरों में एयर प्यूरिफाई पहले ही लग चुके हैं। दिल्ली की हालत इतनी बदतर है की दो में से एक व्यक्ति श्वास, कफ, खांसी और बुखार का शिकार है। अस्पतालों में लंबी-लंबी लाईन लगी हैं यहां लोग इलाज की उम्मीद लगा रहे हैं परंतु चिकित्सा सेवाएं और डॉक्टर की भी सीमाएं हैं। अगर एक डॉक्टर के पास 200-300 मरीज पहुंचेंगे तो वह कितनों की जांच कर सकेगा? कितनों को गंभीर रूप से देख सकेगा? यह कोई समझना कठिन नहीं है परंतु सरकारें तो केवल मीडिया के प्रचार पर जिंदा हैं जिन्हें आमजन से कोई लेना-देना नहीं है। मीडिया का काम सरकार के झूठे सपने परोसाना मात्र रह गया है।

दिल्ली के एक वरिष्ठ पत्रकार श्री राहुल देव का एक पीड़ादायक बयान अखबारों में छपा है कि अब दिल्ली आम लोगों के लिए रहने के लायक नहीं है। उन्होंने लिखा है कि मैं 38 साल पहले दिल्ली आया था परंतु अब मैं एनसीआर में रहने की स्थिति में नहीं हूं। अब मैं दिल्ली छोड़कर लाचार होकर लखनऊ जा रहा हूं और अगर लखनऊ में भी प्रदूषण का यही हाल रहा तो मैं गांव चला जाऊंगा।

श्री राहुल देव मेरे प्रिय मित्र हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं, परंतु मैं उनके इस निर्णय से सहमत नहीं हूं। मैं उनकी टिप्पणी को अधूरी मानता हूं। श्री राहुल देव गांधीवादी है या नहीं यह मैं नहीं कह सकता परंतु उनकी गांधी के प्रति गहरी आस्था है यह मैं जानता हूं। अच्छा होता कि वह अपनी इस टिप्पणी में गांधी की याद दिलाते। गांधी की बीज पुस्तक हिंद स्वराज्य का जिक्र करते जिसमें महात्मा गांधी ने 1909 में ही हिन्द स्वराज में इस शहरीकरण सभ्यता के खतरों से दुनिया को अवगत कराया था। आज से लगभग 116 साल पहले एक भारतीय यह साहस कर रहा था कि न केवल भारत को बल्कि उस समय की दुनिया और समाज को जो बड़े औद्योगिकरण और शहरीकरण की ओर आकर्षित हो रही थी, को गांधी सावधान कर रहे थे कि यह सभ्यता इंसान की हत्यारी सभ्यता है और वापस गांव की ओर जाने की सलाह दे रहे थे। महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज के अध्याय 5 सभ्यता में लिखा था कि पहले लोग खुली हवा में उतना ही काम करते थे जितना उन्हें जरूरी जान पड़ता था। आज हजारों मजदूर अपनी गुजर बसर के लिए इकट्ठे होकर बड़े कारखाने या खदानों में काम करते हैं उनकी दशा जानवरों से भी बतदर हो गई है। पहले लोग मारकर गुलाम बनाए जाते थे आज पैसे और सुख का लालच देकर गुलाम बनाए जाते हैं जो पहले नहीं थे। ऐसे लोग पैदा हो गए हैं और कुछ लोग अनुसंधान करने में लगे हैं की सभ्यता से उत्पन्न इन रोगों को कैसे मिटाया जाए। महात्मा गांधी जी ने तो दूरगामी आवागमन के

साधनों के प्रति भी सावधान किया था कि यह कई बीमारियां, महामारियां नई सभ्यता से फैलती हैं आज हम देख रहे हैं कि कई प्रकार के संक्रामक वायरस विदेश से भी भारत पहुंचे हैं। जैसे दिल्ली के संदर्भ में कहा जा रहा है कि अब दिल्ली में कोई अफ्रीकी वायरस आया है जो लगभग लाईलाज है और इस संक्रमण और वायरस के लिए तेज गति से बढ़ाने वाले वाहन और आवागमन जवाबदार हैं। कोरोनाकाल में भी सारी दुनिया ने गांधी को याद किया था जब लोग शहरों को छोड़कर गांव भाग रहे थे और गांवों में जाकर गुजर बसर कर रहे थे। हम इतनी अकृतज्ञ कौम और संतान हो चुके हैं कि अपने महापुरुषों की कही गई सच्चाई और बताये रास्तों का संकट में प्रयोग तो करते हैं परंतु कहने में शर्माते हैं।

दिल्ली के प्रदूषण के पीछे सबसे बड़ा कारण कारें हैं हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जो अध्ययन हुआ है उसमें पाया गया कि लगभग 56 प्रतिशत प्रदूषण कारखाने का है, 27 प्रतिशत कारों का है और लगभग 7-8 प्रतिशत पराली के धुंये का है। दिल्ली के भीतर जो बड़े-बड़े कारखाने थे, बड़े बड़े कपड़े मिल थीं, वे लगभग या तो बंद हो चुके हैं या दिल्ली के बाहर है। पराली जलाना भी मुख्य रुप से एनसीआर के बाहर ही होता है यानी पंजाब, हरियाणा आदि में, जो दिल्ली से 40-50 या 100-150 किलोमीटर दूर खेतों में होता है। शायद उसके धुंये का थोड़ा बहुत हिस्सा ही दिल्ली पहुंचता होगा। वह तो वहीं के आसपास खेतों गांव में ही रह जाता है दिल्ली के धुएं का मुख्य कारण कारों का धुंआ है जो निरंतर बढ़ रहा है। दिल्ली में कारों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। इस वर्ष मारुति सुजुकी ने लगभग 2 लाख कारें बेची और इसी प्रकार टाटा, हुंडई व अन्य कार निर्माताओं की कारों की बिक्री भारी बढ़ी है। दिल्ली की आबादी के आधे के बराबर कारें हो गई हैं। कारों का धुंआ इतना जहरीला होता है कि उसकी कल्पना करना भी कठिन है परंतु हमारा सभ्य समाज, श्रेष्ठी वर्ग और यहां तक की संवैधानिक संस्थाएं भी कारों के प्रदूषण की चर्चा नहीं करती या बहुत कम करती है, क्योंकि अमूमन सब की समझ नई सभ्यता से बनती है। हम उसके अभ्यस्त और नशेड़ी हो चुके हैं। वे अपनी वर्गीय श्रेष्ठता और सुख को कायम रखना चाहते हैं यानी वह ऐसा समाज चाहते हैं कि प्रदूषण तो वे फैलाए पर उससे गरीब मरे। उद्योग जगत और पूंजीवादी तबके के मुनाफे पर कोई रोक न हो और वे स्वयं भर सुरक्षित रहें बकाया देश का जो होना हो सो हो।

वरना सुप्रीम कोर्ट सरकार को सलाह देता कि लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी दशकों से जो सुझाव दे रही है कि एक परिवार अधिकतम एक कार का कानून बने जो वास्तव में समस्या का हल है उसे लागू करने को कहते, परंतु पूंजीवाद के विकास का एक चक्र है जो एक हिस्से की आमदनी बढ़ाता है, उसे फिजूलखर्ची सिखाता है और गैर जरूरी जरुरतों का निर्माण कर अपने मुनाफे के चक्र को चलाता रहता है।

अभी कई ताजा शोध हुए हैं उनकी रिपोर्ट तो और भी भयावह है। कई शोध कार्यो से यह सूचना आई है कि प्रदूषण और संक्रमण यह ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है, जहां वह व्यक्ति के डीएनए को भी प्रभावित करने लगा है। यह प्रदूषण अंदर जाकर शरीर की शारीरिक संरचना को विकृत कर रहा है। उसके परिणाम स्वरुप व्यक्ति की अतीत या सैकड़ों साल में निर्मित शारीरिक संरचना को ही बिगाड़ रहा है। अगर डीएनए ही प्रभावित हो गया तो इसके कितने दुष्परिणाम होंगे। व्यक्ति की इम्युनिटी खत्म होगी, रोगों से लड़ने की क्षमता खत्म होगी, दवाओं का प्रभाव शून्य होगा, बीमारियां आनुवांशिक तौर पर आगे जाएंगी और अभी तक व्यक्ति के जन्म अतीत आदि की जिन स्थितियों की जांच अभी डीएनए के माध्यम से हो जाती है वह सब समाप्त हो जाएगी। अभी हाल में ही ब्राजील के बेलेम में काप-30 (कॉप 30) जलवायु सम्मेलन हुआ था और इसमें दुनिया के 194 देशों ने भाग लिया था। परंतु यह सम्मेलन भी कोई निर्णय नहीं कर सका क्योंकि दुनिया और दुनिया की राज सत्तायें तो पूंजीवाद से चल रही है। उनमें से कोई भी देश अपना गैस उत्सर्जन घटाने को तैयार नहीं है। प्रदूषण से मुक्ति और पर्यावरण बचाने को तैयार नहीं है। लगभग 100 साल पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति के पास इंसान को देने के लिए सब कुछ है परंतु लालच की पूर्ति के लिए कुछ भी नहीं हैय। आज स्थिति यह है कि दुनिया की हर तीसरी मौत प्रदूषण से हो रही है प्रदूषण के जहरीले धुयें के कारण अन्य प्रकार के प्रभाव भी होते हैं, केवल फेफड़ों में ही नहीं बल्कि शरीर की हर कोशिका में धुयें के कण प्रवेश कर चुके हैं और मानव की मूल संरचना और डीएनए को नष्ट कर रहे हैं। न केवल राजधानी बल्कि देश के अन्य महानगरों के कार्यालयों को भी बंद किया जा रहा है। फिर से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम में भेजा जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के छात्रों को महानगरों में घर से ही ऑनलाइन पढ़ाई के लिए कहा जा रहा है। प्रातः भ्रमण और बगीचों में न जाने की सलाह दी जा रही है। बच्चों को खेल और व्यायाम से रोका जा रहा है। यानी देश की व्यवस्था ने एक प्रकार से हाथ खड़े कर दिए कि अब उनके पास व्यक्ति को गृह बंदी बनाने के अलावा और कोई मार्ग नहीं है। यह बच्चे घरों में रहकर पढ़ेंगे, न खेलेंगे ना व्यायाम करेंगे तो क्या उनका शरीर दिमाग सही ढंग से सुचारू रूप से काम कर सकेगा? जब बच्चे खेलते हैं और व्यायाम करते हैं तो वे शारीरिक और मानसिक रुप मजबूत होते हैं उनके शरीर में आक्सीजन जाती है, सामाजिक समरसता बढ़ती है और दुनिया में जीने के अनुभव भी सीखते हैं। उनके जो सम वयस्क मित्र होते हैं जिनसे संवाद होता है, संवेदनायें जन्म लेती हैं परंतु इस ग्रह बंदी के प्रयोग से क्या ये बच्चे केवल पेट भरने वाले या लाचार बंदी जैसे नहीं बन जाएंगे? क्या हम एक पूरी पीढ़ी को नष्ट नहीं कर रहे?

श्री राहुल देव जी से अपील है कि वे दिल्ली ना छोड़े और हम सब मिलकर अपनी ताकत देश की व्यवस्था को बदलने और मानवता को बचाने के लिए लगायें। आपके पास लखनऊ में रहने के साधन है, गांव में रहने के साधन होंगे तो क्या जो दिल्ली की 3 करोड़ में से 2 करोड़ की आबादी पेट भरने के लिए लाचार होकर गांव से भाग कर दिल्ली आई है वह कहां वापस जाएगी? जिनके बच्चे गांव में अपने पिता के मनी ऑर्डर पर जिंदा है, वह कैसे जिंदा रहेंगे? राहुल जी आपका दिल्ली छोड़ना मेरी नजरों में पलायन है। मैं चाहता हूं कि आप पलायनवादी ना बने, रण छोड़ दास ना बने बल्कि मुकाबले के लिए खड़े हो।

अन्त मैं सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश महोदय से भी कहना चाहता हूं कि सही है कि आपके पास कोई जादू की छड़ी नहीं है परंतु भारतीय संविधान ने आपको एक चाबुक दिया है, इसका इस्तेमाल करिए। आप अधिकारियों को पेश होने के बजाये सीधे कार्यवाही का आदेश दीजिए। आप सरकार को सलाह दीजिए की एक परिवार -एक कार का नियम बनाएं। आप व्यवस्था को निर्देश दीजिए कि जितने भी मोहल्लों पार्कों में नगर निगम के खाली स्थानों पर कब्जा किए गए हैं वहां बाजार, धार्मिक स्थलों या दुकानों को बना दिया गया हैं, उन्हें हटाए। पार्कों में वृक्ष और पौधे लगाकर उनका पुनर्जीवन करें, ताकि लोगों को ऑक्सीजन मिल सके।

एनसीईआरटी पाठ्यक्रम

मनीष जैसल

लेखक पत्रकारिता के प्राध्यापक हैं।

नई किताबों में संवैधानिक मूल्य का मूल्यांकन भी जरुरी

भारत का संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक विवेक और लोकतांत्रिक आत्मा का दस्तावेज़ है। इसीलिए संविधान सभा ने इसे आत्मार्पित करने की बात कही है। लेकिन जब बच्चों को संविधान पढ़ाने और समझाने की बात आती है, तो शिक्षा जगत पर यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे उसकी प्रस्तुति को सटीक, संतुलित और संदर्भ-समृद्ध बनाएँ। हाल ही में प्रकाशित नई एनसीईआरटी पुस्तकों ने इस बहस को फिर से जन्म दे दिया है कि क्या स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली संवैधानिक सामग्री बच्चों को स्पष्ट और सही समझ दे रही है, या अनजाने में एक ऐसे भ्रम का भी निर्माण कर रही है जिसका असर आने वाली पीढ़ियों की नागरिक चेतना पर पड़ सकता है।

नई किताबों को देखने पर पहला प्रभाव यह मिलता है कि संविधान को अधिक सरल और कहानी-प्रधान शैली में प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है, जहाँ बच्चे उदाहरणों, घटनाओं और बातचीत के माध्यम से मूल्यों को समझ सकें। यह दृष्टिकोण स्वागतयोग्य है, क्योंकि बच्चों के लिए गहरे कानूनी प्रावधानों को सहज बनाना ही शिक्षण का उद्देश्य होना चाहिए। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब सरलता की तलाश में सटीकता छूटने लगती है, और जब कलात्मक प्रस्तुति तथा सांस्कृतिक प्रतीकवाद बच्चों के मन में संवैधानिक संरचना की जगह लेने लगते हैं।

सबसे अधिक चर्चा उस अध्याय की रही, जिसमें संविधान के लागू होने और स्वीकृत होने की तारीख दोनों ही 26 जनवरी 1950 बताई गई हैं। यह तथ्यात्मक असंगति मामूली लग सकती है, लेकिन कक्षा 7 का विद्यार्थी जब पहली बार संविधान की मूल यात्रा सीखता है, तो ऐसी गलती उसके आधारभूत ज्ञान को ही गलत दिशा में मोड़ सकती है। लोकतंत्र में जहां सूचनाओं की सत्यता ही मूल मूल्य है, वहां पाठ्यपुस्तकों में ऐसी त्रुटियाँ ज्यादा गंभीर हो जाती हैं।

किताबों में संविधान की मूल प्रति पर अंकित नंदलाल बोस की चित्रकला को 'संविधान का हिस्सा' बताने जैसी प्रस्तुति ने भी विशेषज्ञों को भी चकित किया है। यह बात सही है कि चित्र संविधान की सांस्कृतिक शोभा है, पर उन्हें संवैधानिक पाठ के अभिन्न अंग की तरह समझाना बच्चों के लिए भ्रमकारी है। इससे यह गलत धारणा बन सकती है कि संविधान की कानूनी सामग्री ही नहीं, बल्कि उसकी कलात्मक सज्जा भी उतनी ही बाध्यकारी है। संविधान सभा ने जानबूझकर दस्तावेज़ के भीतर धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों को स्थान न देकर नागरिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता को प्राथमिकता दी थी। इसलिए इस तथ्य का कमजोर या उलझा हुआ चित्रण मौलिक गलतफहमी का कारण भविष्य में बन सकता है।

इसी तरह प्रस्तावना में 'ईश्वर के नाम पर' जैसी किसी भी पंक्ति को शामिल न करने का निर्णय संविधान सभा का एक ऐतिहासिक और वैचारिक निर्णय था। इस पर लंबी बहस हुई थी, एचवी कामथ के प्रस्ताव को अस्वीकार किया गया था, क्योंकि सदस्यों का मत था कि राज्य और धर्म स्पष्ट अलग रहेंगे। यह चर्चा न केवल संवैधानिक मूल्यों का महत्वपूर्ण अध्याय है, बल्कि धर्मनिरपेक्षता और नागरिक स्वतंत्रता की नींव भी। किंतु नई किताबें इस बहस की गंभीरता और व्यापकता को समुचित स्थान नहीं देतीं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा बन सकती है कि संविधान और धर्म के बीच की रेखा स्वाभाविक या अप्रासंगिक है, जबकि यह भारत के आधुनिक लोकतांत्रिक ढांचे की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है।

एक चिंता यह भी है कि संविधान में समय-समय पर हुए संशोधनों को किताबों में असमान रूप से प्रस्तुत किया गया है। 42वाँ संशोधन जिसने प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्द जोड़े गए हैं, किताब के मुख्य पाठ में अनुपस्थित है, जबकि मौलिक कर्तव्यों वाली धारा 51 को विस्तार से समझाया गया है। जब एक ही संशोधन को दो टुकड़ों में बाँटकर पढ़ाया जाता है, तो बच्चा यह समझ ही नहीं पाता कि संविधान में परिवर्तन किस वैचारिक बहस के बाद हुआ था और इन संशोधनों ने मौलिक ढांचे को कैसे बदला।

बच्चा जो पहली बार संविधान से परिचित हो रहा है, उसके लिए किताब की भाषा ही उसका 'संविधान-ज्ञान' बन जाती है। इसलिए मामूली दिखने वाली त्रुटियाँ आगे चलकर नागरिक चेतना में बड़े अंतर पैदा कर सकती हैं।

सवाल यह भी उठता है कि क्या इन नई किताबों में संविधान की आत्मा समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है? अध्यायों में अधिकारों और कर्तव्यों के उदाहरण तो दिए गए हैं, लेकिन जटिल लेकिन महत्वपूर्ण विषय जैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक अधिकार, और सामाजिक न्याय—अनुपस्थित या कमजोर रूप में उपस्थित हैं। इससे यह खतरा पैदा होता है कि संविधान को एक जीवंत दस्तावेज़ की बजाय केवल नैतिक उपदेशों के सेट की तरह देखा जाने लगे।

इन असंगतियों के कारण अभिभावक, शिक्षाविद और संविधान विशेषज्ञ स्वाभाविक रूप से सवाल उठा रहे हैं। क्या हम बच्चों को संविधान का सार सिखा रहे हैं, या उसका एक ऐसा सरलतम संस्करण पेश कर रहे हैं जिससे मूल अर्थ ही धुँधला हो जाए? क्या हम नई पीढ़ी को उस संवैधानिक परंपरा की जटिलता और संघर्ष से परिचित करा पा रहे हैं, जिसने हमारे लोकतंत्र की नींव बनाई? या हम उन्हें एक ऐसे आधे-अधूरे दस्तावेज़ से परिचित करा रहे हैं जो न इतिहास से पूरी तरह जुड़ा है और न ही आधुनिक संवैधानिक विमर्श से?

यही वजह है कि NCERT की नई संविधान-प्रस्तुति पर उठ रहे सवाल केवल शैक्षणिक बहस का हिस्सा नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक भविष्य से जुड़े प्रश्न हैं। अगर बच्चे संविधान को गलत, अधूरी या पक्षपातपूर्ण जानकारी के आधार पर समझेंगे, तो भविष्य में वे या तो भ्रमित नागरिक बनेंगे या ऐसे नागरिक जो अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों और अधिकारों को सतही रूप में ही देखेंगे।

भारत जैसा विविध और जटिल देश अपने संविधान की सही समझ पर ही टिका हुआ है। इसलिए शिक्षा संस्थानों के लिए यह जरूरी है कि वे संवैधानिक सामग्री को बच्चों के सामने सरल अवश्य रखें, लेकिन इस सरलता की कीमत सटीकता और संतुलन की बलि देकर नहीं चुकाई जाए। बच्चों के मन में जो पहली छवि संविधान की बनती है, वही उनके जीवन भर की नागरिक चेतना को आकार देती है।

संविधान की समझ को केवल पाठ्यपुस्तकों के पन्नों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आज राजनीति, समाज और संस्कृति को समझने में सिनेमा और मीडिया की भूमिका उतनी ही प्रभावी है जितनी कक्षा की किताबों की। फिल्मों, डॉक्यूमेंट्रीज़ और टीवी कार्यक्रमों में जिस तरह लोकतंत्र, चुनाव, अधिकारों और नागरिक भागीदारी को चित्रित किया जाता है, वह बच्चों और किशोरों के मन में संविधान की एक वैकल्पिक और अक्सर अधिक प्रभावशाली छवि गढ़ देता है। दुर्भाग्य से कई बार यह छवि या तो अत्यधिक नाटकीय होती है या तथ्यात्मक रूप से कमजोर। अगर NCERT वास्तव में संविधान की समझ को आधुनिक संदर्भों से जोड़ना चाहता है, तो पाठ्यपुस्तकों में यह चर्चा शामिल करना आवश्यक है कि मीडिया किस प्रकार विचारों को आकार देता है और यह भी कि मीडिया की सामग्री हमेशा सत्य, निष्पक्ष या संतुलित नहीं होती। यह जोड़ न केवल बच्चों को संवैधानिक मूल्यों की व्यापकता समझाएगा, बल्कि उन्हें यह भी बताएगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून से नहीं, बल्कि सूचना की सत्यता से भी होती है।

इसी क्रम में यह भी आवश्यक है कि NCERT किताबों में मीडिया साक्षरता को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए, विशेषकर वह प्रक्रिया जिसके तहत समाचार बनते, संपादित होते और प्रसारित होते हैं। बच्चे यह समझें कि व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर मिलने वाली जानकारी बिना सत्यापन के विश्वसनीय नहीं होती। सूचना का स्रोत क्या है, कहानी किस दृष्टिकोण से कही जा रही है, और तथ्य कहां से लिए गए हैं—यह समझ लोकतांत्रिक नागरिकता का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जितना संविधान के अनुच्छेद जानना। किताबों में यदि मीडिया की कार्यप्रणाली, डिजिटल अफवाहों की समस्या, और तथ्य-जांच जैसे विषय शामिल किए जाएँ, तो यह बच्चों को न केवल झूठी खबरों से बचाएगा, बल्कि संविधान में निहित वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक सोच जैसी मूलभूत शिक्षाओं को भी मजबूत करेगा।

यह केवल NCERT की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संपूर्ण शिक्षा प्रणाली की जिम्मेदारी है कि वह संविधान को एक जीवित, आलोचनात्मक और समावेशी दस्तावेज़ के रूप में प्रस्तुत करे न कि एक ऐसा पाठ जिसके पन्नों में अस्पष्टता और चयनात्मकता भविष्य की लोकतांत्रिक समझ को कमजोर कर दे। आने वाली पीढ़ी को सही संविधान देना ही हमारे लोकतंत्र की दीर्घायु का आधार है।

आज़ादी के दीवानों की यातनाओं का स्मरण कराता पोर्ट ब्लेयर-अंडमान

यात्रा संस्मरण

मोहन वर्मा

लेखक पत्रकार हैं।

03 दिसंबर तक चैन्नई, महाबलीपुरम, पांडिचेरी, चिदंबरम,पिचावरम और कांजीवरम प्रवास के बाद हमारा काफिला आगे बढ़ा। 04 दिसंबर को सुबह 10 बजे की दो घण्टे की हवाई यात्रा के बाद हम उतरे पोर्ट ब्लेयर के विमान तल पर। पोर्ट ब्लेयर का नया नाम अब श्री विजयपुरम कर दिया गया है। यहाँ स्थित पोर्ट ब्लेयर के आदिवासी जनजाति संस्कृति पर केंद्रीय संग्रहालयों के अवलोकन के बाद मुख्य आकर्षण था सेल्युलर जेल का।

1909 में बनी इस जेल में सात खण्डों को इस तरह बनाया गया और व्यवस्था की गई थी कि दूर-दूर से भी कैदी एक दूसरे से किसी तरह का संवाद स्थापित नहीं कर सकें। आज़ादी के दीवानों को इस जेल में जिस तरह की यातनाएं दी जाती थी वो सुनकर ही रोंगटे खड़े होते है और समझ में आता है कि जिस आज़ादी में हम साँस ले रहे है उसके लिये देशभक्त दीवानों ने क्या-क्या नहीं सहा। वीर सावरकर ने पचास साल की सजा के 10 साल यहीं की काल कोठरी में गुजारे थे। इसी परिसर में एक फिल्म शो के माध्यम से उस समय के कालखण्ड से दर्शक रूबरू होते है।

दूसरे दिन हम फैरी पर सवार होकर हेवलाक बीच के लिये रवाना हुए। दूर-दूर तक फैले नीले समंदर को निहारने का आनंद। हेवलाक को अब स्वराज दीप के नाम से जाना जाता है। होटल से तैयार हुए ही थे कि हमारा सारथी लेने आ पहुंचा 'राधा नगर' बीच के लिये। बड़ी संख्या में पर्यटकों का जमावड़ा। लहरों की अठखेलियों के बीच नहाते,फोटो वीडियो का मज़ा लेते। चारों तरफ हरहराता समुद्र और उछाले खाती लहरें। इस बीच पर डूबते सूर्य को देखना यानि सन सेट को निहारना मुट्ठी से रेत का और पलकों के सामने से देखते देखते समय के फिसलने से रूबरू होना था। यहाँ सुबह पाँच बजे से उजाला और शाम पाँच बजे से अंधेरा हो जाता है।

अगली सुबह नाश्ते के बाद काला पत्थर बीच पहुँचे। किनारे पर काली काली चट्टानें और हेवलाक आते समय फेरी से देखे नीले समंदर से हटकर हरी हरी उछाल मारती लहरें। तट से हटने का मन ही नहीं करता। इसके बाद पहुँचे ऐलिफेंट बीच। ऐलिफेंट बीच पर पानी की विविध गतिविधियों का आनंद लेते पर्यटकों का जमावड़ा। इस बीच की तट से दूरी 12 किलोमीटर समुन्दर के अंदर है जिसके दूसरे सिरे पर जंगल है जिसमें हाथियों के होने के कारण इसे ऐलिफेंट बीच भी कहा जाता है।

यात्रा का अगला पड़ाव नील आयलैंड था। इसे अब शहीद दीप के नाम से जाना जाता है। नीले समुंदर, मनमोहक हरियाली के बीच ड्रीम हेवन रिसॉर्ट की बेहतरीन सेवाओं के साथ भरतपुर बीच,नेचुरल लक्ष्मन बीच के बाद सनसेट पॉइंट से डूबते सूरज को निहारने का आनंद नील बीच के मुख्य आकर्षण थे।

और अंत में एक बार फिर पोर्ट ब्लेयर पहुँचे जहाँ से घर वापसी थी। एक मित्र की पोस्ट थी कि आप शायद इंडिगो के विमान के उड़ने की बात लिखना भूल गये होंगें इसलिये लिख रहा हूँ कि इंडिगो विमानसेवा की तमाम गदर के बाबजूद निश्चित समय पर उड़ान ने पोर्ट ब्लेयर से ब रास्ता हैदराबाद वापस घर पहुँचा दिया।

कुल जमा यौ तो अंडमान की विशेष पहचान सेल्युलर जेल और स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजों द्वारा दी गई यातनाओं,वीर सावरकर और उन जैसे सैकड़ों स्वतंत्र बलिदानियों के बलिदानों के पावन स्मरण से जुड़ी है मगर यहाँ अब चारों और अपनी ही मस्ती में घूमते पर्यटक और हनीमून के लिये आये नवविवाहित जोड़े ही नजर आते है। बहरहाल देश के प्रसिद्ध और एतिहासिक पर्यटन स्थल से रूबरू होना एकअविस्मरणीय उपलब्धी तो है। हाँ सहयात्री विजय श्रीवास्तव,अजय सोलंकी और राहुल परमार के साथ ने भी यात्रा को आनंदमयी कर दिया।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

रॉंग साइड

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दो केले और खुल जा सिम-सिम

फूलसिंह 'फूल' ने संत जी के चरणों को दबाते हुए प्रार्थना की - 'महाराज की जय हो, आशीर्वाद दीजिए भगवान,.... मैं राजनीति में जाकर जनता की सेवा करना चाहता हूँ।'

राजनीति का सेवा से अब क्या लेना देना है फूलसिंह 'फूल'! 'संत जी ने कहा।'

'जाना ही पड़ेगा संत जी, जनता गरीब है, भूखी और बीमार है।' फूलसिंह 'फूल' बोला।

जनता को गरीब, भूखी और बीमार बनाए रखने में बड़ी युक्ति लगती है 'फूल' सिंह। लाचार जनता लोकतंत्र की जान होती है। अगर तुम इतना भी नहीं जानते हो तो राजनीति में जाकर क्या करोगे!'

'राजनीति में ज्ञान और समझ की क्या जरूरत है महाराज!! आप तो अपना काम कीजिए,... आशीर्वाद दीजिए फटाफट।'

संत ने बिना कुछ बोले फूल सिंह 'फूल' को दो केले दे दिए, कहा - 'खुल जा सिम सिम... जा शुरू हो जा....।'

संत जी अंधे हैं लेकिन उन्हें सब दिखता है। उनके बारे में प्रसिद्ध है कि वह तीनःएक के अनुपात में बोलते हैं अर्थात् तीन बातें बुरी और एक बहुत बुरी। अगर चोर-उचक्कों, लबार-लफंगों को आशीर्वाद दे दें तो वे खूब तरक्की करते हैं। अनेक चोर उनके आशीर्वाद से डाकू बने और जन नायक कहलाये। उन्होंने डायरेक्ट अपने आशीर्वाद से सैकडों 'नेतू' पैदा किए हैं। परिणाम स्वरुप नेता भी दिव्यांग निकले। हालांकि तकनीकी रूप से सबके पास दो आंखें बरामद हो सकती हैं। कुछ ही वर्षों में देश का राजनीतिक परिवेश इच्छाधारी अंधों से भर गया है। ये वही देखते हैं जो देखना चाहते हैं। अपने यहाँ एक बार गरीबों को पुचकार लो, थोड़ा पान-पत्ता कर दो, फिर पाँच साल तक देखने को पूरी दुनिया पड़ी है। बड़े-बूढ़े बताते हैं कि सत्तागिरी और संतगिरी में मौसेरे भाई जैसा रिश्ता होता है। एक जीने नहीं देता दूसरा मरने नहीं देता। दोनों में बड़ी अंडरस्टैंडिंग है। एक दूसरे की मदद करने में वह आगा-पीछा नहीं देखते हैं। इसलिए संत जी ने 'फूल' जी में संभावना देखकर आशीर्वाद दे दिया है।

फूलसिंह 'फूल' दो केले लेकर निकला तो साथ लगे चमचों ने कहा उस्ताद आधा-आधा खा लो, अभी अपन चार हैं बाद में कम पड़ जाएंगे। लेकिन फूल सिंह को आशीर्वाद प्राप्त था सो उसने कुछ और लोग जुटाए और अस्पताल में एक महादरिद्र को ताड़ा। दोनों केले उसके मुँह आगे किये और फोटो खिंचवा लिया। फिर दूसरे भूखे को देखा और केले दिखाकर फोटो खिंचवा लिए। इसी तरह एक के बाद एक पूरा वार्ड कैमरे में कैद हो गया। केले अभी भी उनके हाथ में किसी पिस्टल की तरह मौजूद थे।

केलों का क्या करें? 'फूलसिंह से चमचों ने पूछा। किसी एक को देना अन्याय होगा और इसके पच्चीस टुकड़े करके बांट देना केलों के साथ अन्याय होगा।'

'फिर इनका क्या करें!'

'ऐसा करते हैं इसको बेच देते हैं। कोई भी अमीर इन्हें ले लेगा। संगठन में शक्ति होती है... उठाओ लाठी और चलो।'

नगर सेठ ने केले नहीं लिए... चंदा दे दिया।

फूलसिंह 'फूल' सारा दिन केले लिए घूमता रहा लेकिन किसी ने भी केले नहीं लिए।... चंदा सबने दे दिया।

चमचों ने कहा कल शहर में पोस्टर लगेंगे - 'नगर के युवा हृदय सम्राट फूलसिंह 'फूल' का पहला भव्य नागरिक अभिनंदन' आज शाम जनता चौक पर।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

जजों के विरुद्ध महाभियोग की मनोवृत्ति पर विचार

सन् 1993 में, न्यायमूर्ति वी रामास्वामी महाभियोग की कार्यवाही का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। लोकसभा में प्रस्ताव पेश किए जाने के बावजूद, इसे आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। इससे महोभियोग प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के लिए एक मिसाल कायम हुई। वर्ष 2011 में, राज्यसभा द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन ने इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति सेन कदाचार के लिए उच्च सदन द्वारा महाभियोग का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। जुलाई 2011 में, सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरन ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया।

विपक्ष के सांसदों ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ के न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग करते हुए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दाखिल किए हैं। यह कार्रवाई तमिलनाडु के तिरूपरनकुंड्रम पहाड़ी पर कार्तिकई दीपम उत्सव के दौरान पारंपरिक दीपक जलाने को लेकर हुए विवाद में न्यायाधीश के हालिया आदेश से संबंधित है। इसे विपक्षी सांसद संविधान के अनुच्छेद 218 के तहत 'सिद्ध दुर्व्यवहार और अक्षमता' मानता है। मुख्य रूप से डीएमके द्वारा समन्वित ये महाभियोग नोटिस लोकसभा और राज्यसभा में दाखिल किए गए हैं। इन पर सौ से अधिक लोकसभा सांसदों और पचास राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर हैं, जो कार्यवाही शुरू करने के लिए आवश्यक न्यूनतम संख्या को पूरा करते हैं। नोटिस में आरोप लगाया गया कि उक्त न्यायाधीश के आचरण से न्यायिक निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। इन पर एक वरिष्ठ अधिवक्ता और एक विशेष समुदाय के अभिभाषकों को अनुचित पक्षपात दिखाने का आरोप भी लगाया गया। यह दावा भी किया गया कि उनके फैसले एक विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित थे, जो धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक सिद्धांतों के विरूद्ध थे।

यह विवाद मदुरै के तिरूपरनकुंड्रम पहाड़ी पर स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में शुरू हुआ, जो हिंदू परंपरा में वार्षिक कार्तिकई दीपम उत्सव के लिए एक पवित्र स्थल है। कार्तिकई दीपम तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्यौहार है। इस पहाड़ी पर एक दरगाह भी है। हिंदू तमिलर काची के संस्थापक सीमान (जिन्हें रामा रविकुमार के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा दायर एक याचिका पर, न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने तमिलनाडु के सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मदुरै जिले में स्थित दीपस्तून (स्तंभ) पर दीपक प्रज्वलित करना सुनिश्चित करें। पीठ ने कहा कि ऐसा करने से आस-पास की दरगाह या मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। जब यह आदेश लागू नहीं हुआ, तो एकल न्यायाधीश ने 3 दिसंबर को एक और आदेश पारित किया। इसमें श्रद्धालुओं को स्वयं दीपक जलाने की अनुमति दी गई।

साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। 4 दिसंबर 2025 को न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने अवमानना याचिका पर पुनः सुनवाई की। उन्होंने पाया कि यद्यपि याचिकाकर्ता सीआईएसएफ कर्मियों के साथ पहाड़ी की तलहटी तक पहुंच गए थे, फिर भी मदुरै शहर के पुलिस आयुक्त लोगनाथन, आईपीएस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके लिए मदुरै के जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर द्वारा जारी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 (पूर्ववर्ती धारा 144 सीआरपीसी) के तहत एक आदेश का हवाला दिया। परिणामस्वरूप, सीआईएसएफ दल वापस लौट गया और याचिकाकर्ता न्यायालय की स्पष्ट अनुमति के बावजूद दीप प्रज्वलित नहीं कर सके।

संवैधानिक ढांचे को क्रियान्वित करने के लिए, विस्तृत प्रक्रियात्मक पहलुओं को सन् 1968 के न्यायाधीश जांच अधिनियम में निहित किया गया है। यह विधायी दस्तावेज उन चरणों की एक संरचित श्रृंखला को रेखांकित करता है जिनका सावधानीपूर्वक पालन हटाने की प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। अधिनियम के तहत हटाने की प्रक्रिया की शुरूआत संसद के किसी भी सदन के अध्यक्ष या अध्यक्ष को नोटिस प्रस्तुत करने से होती है। विशेष रूप से राज्यसभा सदस्यों या कम से कम सौ लोकसभा सदस्यों द्वारा नोटिस पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। नोटिस प्राप्त होने पर, अध्यक्ष प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले संबंधित व्यक्तियों और सामग्री से परामर्श करते हैं। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो अध्यक्ष या चेयरमैन आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन करते हैं। इस समिति का काफी महत्व होता है। इसमें सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित न्यायविद शामिल होते हैं। शिकायत के आधार पर आरोप तय किए जाते हैं। इसकी एक विस्तृत प्रति संबंधित न्यायाधीश को भी दी जाती है। इससे उन्हें लिखित बचाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

जांच पूरी होने पर, अध्यक्ष या चेयरमैन को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाती है। रिपोर्ट के साथ ही प्रक्रिया

का अगला चरण शुरू होता है। इसमें संसदीय विचार-विमर्श और निष्कासन प्रस्ताव पर बहस शामिल होती है। निष्कासन प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए संसद के दोनों सदनों से अनुमोदन प्राप्त करना आवष्यक है। इसके लिए मापदंड सख्त है। इसके लिए सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उससे भी महत्वपूर्ण, उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत आवश्यक है। दोनों सदनों में निष्कासन प्रस्ताव के सफलतापूर्वक पारित होने पर, इसे अध्यक्ष को भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में अंतिम निर्णायक के रूप में राष्ट्रपति, न्यायाधीश को हटाने का आधिकारिक आदेश जारी करते हैं, बशर्ते कि याचिका आवश्यक बहुमत मानदंडों को पूरा करती हो। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है अब तक किसी भी भारतीय न्यायाधीश पर महाभियोग नहीं चलाया गया है।

सन् 1993 में, न्यायमूर्ति वी रामास्वामी महाभियोग की कार्यवाही का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। लोकसभा में प्रस्ताव पेश किए जाने के बावजूद, इसे आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। इससे महोभियोग प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के लिए एक मिसाल कायम हुई। वर्ष 2011 में, राज्यसभा द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन ने इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति सेन कदाचार के लिए उच्च सदन द्वारा महाभियोग का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। जुलाई 2011 में, सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरन ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया।

उनका मामला इसलिए उल्लेखनीय है कि महाभियोग की कार्यवाही शुरू होने वाली थी और राज्यसभा अध्यक्ष ने आरोपों की जांच के लिए एक न्यायिक पैनल का गठन किया था। सन् 2015 के 58 सदस्यों ने गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला के खिलाफ महाभियोग नोटिस शुरू किया। इस कार्रवाई का आधार पारदीवाला की आरक्षण के मुद्दे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां थीं। उसी वर्ष, राज्यसभा के पचास से अधिक सदस्यों ने न्यायमूर्ति एसके गंगेले को हटाने के लिए एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इन पर ग्वालियर के एक पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। हालांकि, न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 के तहत गठित एक जांच समिति ने पाया कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री यौन उत्पीड़न के आरोप को साबित करने के लिए अपर्याप्त थी। परिणामस्वरूप, प्रस्ताव वापस ले लिया गया।

मार्च 2025 में, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास में आग लगने की घटना में भारी मात्रा में अज्ञात नकदी बरामद हुई। इसके बाद, भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों के पैनल ने जांच की और निष्कर्ष निकाला कि वर्मा नकदी के भंडार का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। पैनल ने पाया कि वर्मा का कदाचार इतना गंभीर था कि उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की जा सकती थी। जुलाई 2025 की शरूआत तक, सरकार को कथित तौर पर निचले सदन के सौ से अधिक सदस्यों का समर्थन प्राप्त हो गया था। इसके चलते उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव पेष किया जा सकता था। इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने संबंधित कानून (न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968) के तहत आरोपों की आगे जांच करने के लिए तीन सदस्यीय पैनल का गठन करके प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस प्रकार के मामलों में मुख्य चिंता यह है कि यदि राजनीतिक दल प्रतिकूल फैसलों पर न्यायाधीशों को महाभियोग की धमकी दे सकते हैं, तो न्यायपालिका की स्वतंत्र रूप से और बिना किसी भय या पक्षपात के कार्य करने की क्षमता इससे गंभीर रूप से प्रभावित होगी। मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन पर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव की आलोचना इस तर्क पर भी केंद्रित है कि यह न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करता है। साथ ही एक अलोकप्रिय फैसला सुनाने वाले न्यायाधीश के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध का एक भी रूप है। इसे रोका जाना चाहिए। जब तक आवष्यक न हो, तब तक न्यायाधीश के विरूद्ध महाभियोग प्रस्ताव नहीं लाना चाहिए। सभी को इस मानसिकता से मुक्त होना आवश्यक है। स्वतंत्र न्यायपालिका के हित में यह उम्मीद की जानी चाहिए कि वे सांसद भी इस पर पुर्नविचार करेंगे, जिन्होंने उक्त न्यायाधीश के विरूद्ध महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया है।

प्रथम पुण्यतिथि पर विशेष

यशवंत गोरे

लेखक साहित्यकार हैं।

सांस्कृतिक एकता के दूत थे जाकिर हुसैन

उस्ताद जाकिर हुसैन जैसे कलाकार बहुत कम होते हैं, यदा-कदा आते हैं। उन्होंने संगीत को एक नई ऊंचाई, एक नई पहचान दी। उसे लोकप्रियता का नया आयाम दिया। न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेश में उन्होंने एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया। तरह-तरह के प्रयोग करते रहे। भारतीय संगीत के साथ भी और विश्व के दूसरे देशों के संगीत के साथ भी। यह कहना है प्रख्यात बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया का।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के सबसे महान दूतों में से एक उस्ताद जाकिर हुसैन का तबला, जिसके जरिये उन्होंने पूरी दुनिया को शांति व मानवता का संदेश दिया और जिस पर उनकी अविश्वसनीय गति, प्रवीणता और रचनात्मकता ने सभी संस्कृतियों के दर्शकों को बांध कर रखा, जिनकी आज पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 15 दिसंबर 2024 को अमेरिका के सान फ्रांसिस्को के अस्पताल में निधन हो गया था।

उन्होंने जिस तरह तबले को एक वाद्य यंत्र से ऊपर उठाते हुए आत्माभिव्यक्ति का जरिया बनाकर संगीत को एक जादुई संवाद बना दिया, उसे देखते हुए अगर उनका नाम तबले के पर्याय के रूप में लिया जाता है, तो हैरत नहीं होती। उस्ताद के तबले की थाप ने संगीत को नए सिरे से परिभाषित करते हुए न केवल भारतीय शास्त्रीय संगीत को जीवंत किया, बल्कि उसमें आधुनिकता का ऐसा रंग भी भरा, जिससे हर पीढ़ी खुद को उससे जोड़ पाती थी। उनकी कला केवल सुरों का सरगम न होकर, भारतीय परंपरा और संस्कृति की गहराई का प्रतीक थी। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाकिर हुसैन को सही मायनों में एक जीनियस कलाकार और सांस्कृतिक एकता का दूत कहा था, जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत का पूरी दुनिया में डंका बजाया। अपने पिता, महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा से मिली प्रेरणा और उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए उन्होंने तबले को एक नया और ऐसा आयाम दिया, जो अब तक अज्ञात था। जाकिर साहब का जीवन भी किसी प्रेरणा से कम नहीं। सात साल की उम्र से ही उन्होंने पंडित रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा जैसे दिग्गज भारतीय कलाकारों के साथ काम करना शुरू किया, तो यो-यो मा, जॉन मैकलॉफलिन, चार्ल्स लॉयड और जॉर्ज हैरिसन जैसे पश्चिमी संगीतकारों के साथ उनके अभूतपूर्व काम ने भारतीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया। 1973 का शक्ति बैंड काफी चर्चा में रहा,

जिसके जरिये उन्होंने देसी-विदेशी कलाकारों के साथ मिलकर भारतीय शास्त्रीय संगीत और जैज संगीत को मिलाने का प्रयोग किया और विश्व के दिग्गज संगीतकारों के साथ जुगलबंदी कर देश का मान भी बढ़ाया। मशहूर तबला वादक उस्ताद अकरम खान कहते है कि उनकी 'दस अंगुलियों में दस आंखें थीं।'

जाकिर हुसैन चार बार प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाले भारत के पहले संगीतज्ञ थे, जिन्होंने एक ही वर्ष में तीन ग्रैमी पुरस्कार भी जीते। तीनों पद्म सम्मान उस्ताद जाकिर हुसैन को भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके अतुल्य योगदान के लिए 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण प्रदान किया गया था।

जाकिर हुसैन कहा करते थे कि वाद्य की इज्जत करें... उन्होंने एक बार बताया था कि 'मेरे पिता जी हमेशा कहते थे कि यह सरस्वती है, इसकी इज्जत करो, इसे रास्ते की कोई चीज न समझो। कभी तबले के पास जूता न रखो, तबले पर कभी अपने कपड़े न रखो, उसको एक पूजा की चीज समझो। हर वाद्य में एक रूह है, एक आत्मा है। अगर आपको एक अच्छा कलाकार बनना है तो आपको उस वाद्य से इजाजत लेनी है कि वह वाद्य आपको स्वीकार करे। मैं 12 साल का था, तब से मैंने तबला बजाने का सफर शुरू किया था। मुंबई से जा रहे हैं, मुगलसराय में उतरकर ट्रेन बदल रहे हैं, पटना या कोलकाता जा रहे रहे हैं। हैं। हम हम छोटे थे और इतने पैसे नहीं होते थे कि आरक्षण वगैरह करा सकें। उस समय बस यह था कि ट्रेन में घुसना है। लेकिन दिमाग में यह भी होता था कि पिता का आदेश है कि यह सरस्वती है, तो तबले को कोई धक्का भी नहीं पहुंचना चाहिए। तो सीट तो मिलती नहीं, अखबार बिछाकर नीचे बैठ जाता और गोद में तबला ले लेता, जिससे उसे धक्का न लगे।'

वह वास्तव में दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय संगीतकारों और सबसे प्रतिभाशाली तबला वादकों में से एक थे। जाकिर हुसैन ने दुनियाभर में तबला और भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए जो कुछ किया, वह वास्तव में अभूतपूर्व है। वह वास्तव में एक पूर्ण संगीतकार थे, जो बेहद विनम्र और शालीन स्वभाव के धनी थे। शास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति लाने वाले महान प्रतिभा संपन्न शख्स के रूप में जाकिर हुसैन को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी असाधारण लयबद्धता संगीत प्रेमियों की आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य हैं ये भव्य जलप्रपात

जलप्रपात प्रकृति की सबसे अद्भुत रचनाओं में से एक हैं, जो अपनी शक्ति, सौंदर्य और विशालता से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ये न केवल भौगोलिक आश्चर्य हैं, बल्कि दुनिया भर में पर्यटन, रोमांच और सांस्कृतिक महत्व के केंद्र भी हैं।

गत दिनों हमने यूट्यूब पर ट्रैवलर ब्लॉगर दावूद अखुंदाज़ा के जांबिया और जिम्बाब्वे के ट्रैवल वीडियोस को देखा। ट्रैवलर ने जांबिया और जिम्बाब्वे दोनों देशों की ओर से विक्टोरिया फाल के नजारे देखे और दर्शकों को भी घर बैठे पर्यटन का आनंद देने की सफल कोशिश की। दरअसल विक्टोरिया फॉल्स अफ्रीका के दक्षिणी भाग में स्थित एक प्रसिद्ध झरना है, जो ज़ाम्बिया और ज़िम्बाब्वे की सीमा पर स्थित है। यह झरना ज़ाम्बेज़ी नदी पर स्थित है और अपनी विशालता और सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। उनकी इस यात्रा को देखकर हमें अपनी कनाडा यात्रा के नियाग्रा जल प्रपात के दृश्यों की याद आ गई।

दरअसल 'नियाग्रा जलप्रपात' अमेरिका के न्यूयॉर्क और कनाडा के ओंटारियो प्रांतों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बहने वाली नियाग्रा नदी पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे बड़े और ऊँचे प्रपातों में से एक दर्शनीय जलप्रपात है। यह जलप्रपात न्यूयॉर्क के बफेलो से 27 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और कनाडा के टोरंटो (ओन्टारियो) से 120 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है।

नियाग्रा नदी किनारे कोई 100 फिट ऊपर लगी रेलिंग के साथ साथ आगे बढ़ते हुए देखने पर हर बार प्रपात की भव्यता और खूबसूरती प्रत्येक कोण से निखरती जाती है। गहराई में पर्यटकों से भरे बोट कोई 400 से अधिक यात्रियों को बिल्कुल निकट तक ले जाकर तेज बौछारों में नहलाकर इसकी भव्यता और रोमांच का अहसास करा देते हैं।

घोड़े की नाल के आकार की तरह होने के कारण कनाडा की साइड के प्रपात को 'हॉर्स शू प्रपात' कहा जाता है वहीं अमेरिका वाली साइड पर दिखाई देने वाले को 'अमेरिकन प्रपात' कहते हैं। 'हॉर्स शू प्रपात' यहाँ आने वाले पर्यटकों को ऐसे निरीक्षण कक्ष में ले जाते हैं, जहां गिरते पानी के बीच खड़े होने का अहसास होता है। अमरीका साइड और कनाडा साइड से चलने वाले विशाल बोट पर्यटकों को प्रपातों के मध्य तक दिन भर सैर करवाते रहते हैं। हम लोगों ने भी इस रोमांच का भरपूर मजा लिया।

विश्व के बड़े जलप्रपात अक्सर दो देशों की सीमाओं पर स्थित नदियों के आसपास दोनों ओर से सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं। नियाग्रा फाल जैसे कनाडा और यूएसए की सीमा पर बहने वाली नियाग्रा नदी पर बनता है उसी तरह विक्टोरिया फाल जांबिया और जिम्बाब्वे की सीमा पर बहने वाली जांबेजी नदी पर बनता है।

विक्टोरिया फॉल्स नियाग्रा फॉल्स से लगभग दोगुना ऊंचा है। जबकि नियाग्रा फॉल्स विक्टोरिया फॉल्स से अधिक चौड़ा है। विक्टोरिया फॉल्स में पानी की मात्रा नियाग्रा फॉल्स की तुलना में कम है, लेकिन इसका स्प्रे अधिक ऊंचा उठता है यद्यपि दोनों झरने अपनी सुंदरता और रोमांचक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

नियाग्रा फॉल्स को यद्यपि कनाडा और यूएसए साइड से देखा जा सकता है किंतु हमने केवल कनाडा साइड से लुफ्त उठाया था जबकि ट्रैवलर दाऊद ने जिम्बाब्वे और जांबिया दोनों देशों की ओर से विक्टोरिया प्रपात का आनंद उठाया और जोखिमपूर्ण एडवेंचर गतिविधियों में भागीदारी की। कुछ स्मृति चिन्ह स्थानीय बाजारों से भी खरीदे। वीडियो देखते हुए ऐसा लगता है जैसे उनके साथ हम भी पर्यटन का साक्षात मजा ले रहे हों।

जिम्बाब्वे साइड से फॉल्स के 75 प्रतिशत हिस्से को देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य फॉल्स, डेविल्स कैटरैक्ट और हॉर्सशू फॉल्स शामिल हैं। यहाँ के रेनफॉरेस्ट में 16 से अधिक व्यू पॉइंट हैं, जो फॉल्स के शानदार दृश्य प्रदान करते हैं।

जांबिया की तुलना में जिम्बाब्वे साइड में अधिक सुविधाएं और गतिविधियाँ हैं, जैसे कि हेलिकॉप्टर राइड, माइक्रो लाइट फ्लाइट और सनसेट क्रूज़। यहाँ के

आसपास के इलाके में ह्वांग नेशनल पार्क और चोबे नेशनल पार्क जैसे प्रसिद्ध सफारी स्थल हैं। जबकि जांबिया साइड से फॉल्स के 25 प्रतिशत हिस्से को ही देखा जा सकता है, लेकिन यह दृश्य अधिक व्यक्तिगत और रोमांचक होता है। जांबिया साइड में डेविल्स पूल है, जो एक प्राकृतिक पूल है जहाँ आप फॉल्स के किनारे बैठकर तैर भी सकते हैं। यहाँ के आसपास के इलाके में लिविंगस्टोन द्वीप है, जहाँ आप फॉल्स के करीब जा सकते हैं और इसकी सुंदरता का अनुभव कर सकते हैं।

जांबिया साइड में कुछ एडवेंचर गतिविधियाँ भी हैं, जैसे कि व्हाइट वाटर राफ्टिंग और बंजी जंपिंग आदि।

विश्व प्रसिद्ध नियाग्रा और विक्टोरिया जल प्रपातों के उल्लेख के साथ यदि दक्षिण अमेरिका में अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर इगुआजू नदी पर स्थित इगुआजू जलप्रपात तथा दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला के एंजेल जलप्रपात का उल्लेख न किया जाए तो ठीक नहीं होगा। इगुआजू प्रपात 60-82 मीटर (197-269 फीट) ऊंचा है। इगुआजू जलप्रपात दुनिया की सबसे बड़ी जलप्रपात प्रणाली है, जो 275 से अधिक अलग-अलग झरनों से मिलकर बनी है और लगभग 2.7 किलोमीटर में फैली हुई है। इसका सबसे प्रसिद्ध भाग 'डेविल्स थ्रोट' (Garganta del Diablo) -आकार का एक विशाल झरना है। पर्यटक अर्जेंटीना और ब्राजील दोनों तरफ से इस जलप्रपात का अनुभव कर सकते हैं, हर तरफ से एक अलग और अनूठा दृष्टिकोण मिलता है। अर्जेंटीना की तरफ से ट्रेकिंग और झरने के बिल्कुल करीब जाने का मौका मिलता है, जबकि ब्राजील की तरफ से इसका व्यापक, मनोरम दृश्य मिलता है। यह दो राष्ट्रीय उद्यानों (अर्जेंटीना में इगुआजु नेशनल पार्क और ब्राजील में इगुआकू नेशनल पार्क) के बीच स्थित है, जो दोनों यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता, दुर्लभ पक्षियों और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है, जो इको-टूरिज्म को बढ़ावा देता है। इसे दुनिया के नए प्राकृतिक अजूबों (New 7 Wonders of Nature) में शामिल किया गया है, जिससे इसकी वैश्विक अपील और पर्यटन में वृद्धि हुई है।

एंजेल जलप्रपात (Angel Falls) कैनेमा राष्ट्रीय उद्यान, बोलिवर राज्य, वेनेजुएला (दक्षिण अमेरिका) में स्थित है जिसकी ऊंचाई 979 मीटर (3,212 फीट) है और यह यह दुनिया का सबसे ऊंचा निर्बाध (uninterrupted) जलप्रपात है। यह इतनी अधिक ऊंचाई से गिरता है कि पानी नीचे पहुँचने से पहले ही अधिकांशतः धुंध और बारीक बूंदों में बदल जाता है। यह जलप्रपात रियो कारोनी नदी की सहायक नदी, चुरुन नदी पर स्थित है। एंजेल जलप्रपात तक पहुँचना अपने आप में एक रोमांचक साहसिक यात्रा है। पर्यटकों को अक्सर कैनो (छोटी नाव) और लंबी पैदल यात्रा (ट्रेकिंग) का सहारा लेना पड़ता है, जिससे यह प्रकृति प्रेमियों और एडवेंचर चाहने वालों के लिए एक शीर्ष गंतव्य बन जाता है।

कैनैमा नेशनल पार्क के भीतर स्थित है, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है। आस-पास के टेबलटॉप पहाड़ (टेपुई) और घने वर्षावन इसे अविश्वसनीय रूप से सुंदर बनाते हैं।इसकी विशालता और दुर्गमता ने इसे कई फिल्मों और साहित्य के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाया है, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और बढ़ती गई है।

जहां तक हमारे अपने देश की बात करें तो भारत में भी कई प्रसिद्ध वाटर फॉल्स हैं जो अपनी सुंदरता और विशालता के लिए जाने जाते हैं। यहाँ के कुछ प्रमुख वाटर फॉल्स हैं- कुंचिकल झरना, जो कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित है, यह भारत का सबसे ऊंचा झरना है, जिसकी ऊंचाई 455 मीटर है। नोहकालीकाई झरना, जो मेघालय में स्थित, यह झरना 340 मीटर ऊंचा है और अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। दूधसागर झरना, गोवा-कर्नाटक सीमा पर स्थित है जो 310 मीटर ऊंचा है और अपनी विशालता के लिए जाना जाता है। जोग फॉल्स, कर्नाटक में स्थित है, यह झरना 253 मीटर ऊंचा है और अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। चित्रकूट झरना, छत्तीसगढ़ में स्थित, यह झरना 29 मीटर ऊंचा है और यह भीअपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। धुआंधार झरना, जबलपुर मध्य प्रदेश में स्थित है, यह झरना 10 मीटर ऊंचा है और यह भी अपनी सुंदरता के लिए पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। केरल में स्थित मीनमुट्टी झरना 300 मीटर ऊंचा है और तमिलनाडु में स्थित थलईयार झरना 297 मीटर ऊंचा है। ये सभी प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा बिखेरते है और पर्यटकों, ट्रैवलरों का मन मोह लेते हैं।

दुनिया में स्थित सारे ही छोटे बड़े जलप्रपात अपने आप में भिन्न भिन्न विशेषताएं रखते हैं, हरेक व्यक्ति अपनी पसंद, हैसियत, सामर्थ्य के अनुसार निकट या दूरस्थ इन सुंदर दृश्यों का आनंद और अनुभूति प्राप्त करने की जीवन में कोशिश अवश्य करता है।

अजमेर उर्स के दौरान बांद्रा टर्मिनस से अजमेर के बीच स्पेशल ट्रेन चलेगी

दोनों तरफ से दो-दो फेरे लगाएगी, टिकटों की बुकिंग शुरू

इंदौर। अजमेर में होने वाले उर्स मेला-2025 के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल से होकर बांद्रा टर्मिनस से अजमेर के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन स?पेशल किराए के साथ किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09027/ 09028 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे चलेगी।

रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, गाड़ी (संख्या 09027) बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल 22 दिसंबर सोमवार एवं 25 दिसम्बर गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 12.15 बजे चलेगी तथा अगले दिन 07.20 बजे अजमेर पहुँचेगी। इसका रतलाम मंडल के रतलाम (23.30/23.40, सोमवार एवं गुरुवार), मंदसौर (01.20/01.22, मंगलवार एवं शुक्रवार), नीमच (02.29/02.31) एवं चित्तौड़गढ़ (03.20/ 03.30) बजे आगमन और प्रस्थान होगा।

इसी प्रकार, वापसी में गाड़ी (संख्या 09028) अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल, 23 दिसम्बर, मंगलवार तथा 26 दिसम्बर, शुक्रवार को अजमेर से 10.25 बजे चलकर अगले दिन 04.20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के चित्तौड़गढ़ (14.00/ 14.05, मंगलवार एवं शुक्रवार), नीमच (14.49/ 14.51), मंदसौर (15.29/ 15.31) एवं रतलाम (17.30/17.40) बजे आगमन और प्रस्थान होगा।

इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, विजयनगर एवं नसीराबाद रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी। गाड़ी संख्या 09027 बांद्रा टर्मिनस अजमेर स्पेशल के लिए टिकटों की बुकिंग 14 दिसंबर से सभी यात्री आरक्षण केंद्र एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से शुरू होगी। ट्रेन संचालन से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यात्री रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग भी कर सकते हैं।

बिना लाइसेंस पार्टी पर आबकारी की कार्रवाई

इंदौर। सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रीति चौबे एवं सीके साहू के नेतृत्व में मालवा मिल, राज मोहल्ला और भौंई मोहल्ला की टीम ने क्षेत्रीय रहवासियों की शिकायत पर निपानिया क्षेत्र स्थित पिनैकल ड्रीम बिल्डिंग में बिना लाइसेंस चल रही पार्टी पर कार्रवाई की। इस दौरान बिल्डिंग के एक फ्लैट से विदेशी मदिरा की 20 बोतलें बरामद की गईं और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा की कुल कीमत लगभग 33 हजार 500 रुपए आंकी गई है।

एमआर-10 पर ट्रक ने बाइक सवार को घसीटा, कई जगह फ्रैक्चर हुए

इंदौर। एमआर-10 ब्रिज पर शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी और चालक ट्रक रोके बिना करीब 500 मीटर तक युवक को घसीटता ले गया। लोगों के शोर मचाने पर ट्रक रुका। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हीरानगर पुलिस के अनुसार घायल की पहचान 26 वर्षीय हर्ष पुत्र राजू गोस्वामी निवासी रामनगर के रूप में हुई है, जो सियागंज में अकाउंटेंट की नौकरी करता है। ड्यूटी खत्म कर वह घर लौट रहा था, तभी एमआर-10 ब्रिज पर ट्रक क्रमांक एमपी-09-जीजी-7049 ने उसे टक्कर मार दी। हर्ष के शरीर में कई फ्रैक्चर बताए जा रहे हैं और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उधर,भंवरकुआं थाना क्षेत्र के आईटी पार्क चौराहे पर भी सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार आई-बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें सदानंद पुत्र मनोहर और उसका साथी विशाल घायल हो गए। वहीं, द्वारकापुरी पुलिस ने नशे में कारों के कांच फोड़ने वाले बदमाश रोहित नाडेला निवासी कुंदननगर को गिरफ्तार किया है। रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी के दौरान अन्नपूर्णा क्षेत्र में एक युवक की सोने की चेन चोरी होने का मामला भी सामने आया है। पुलिस ने संबंधित मामलों में जांच शुरू कर दी है।

तेज डीजे बजाने पर केस दर्ज किया गया

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डीजे जब्त कर संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। यह कार्रवाई आसपास के रहवासियों की लगातार शिकायत के बाद की गई। पुलिस के अनुसार छोटा बांगडदा रोड स्थित अमृत ग्रीन गार्डन में एक विवाह समारोह आयोजित किया गया था, जहां देर रात तक तेज साउंड में डीजे बजाया जा रहा था। शोर से परेशान होकर हाईलिंक सिटी, छोटा बांगडदा रोड निवासी महेश कश्यप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने डीजे संचालक दीपक पिता विजय सुगंधी निवासी नरीमन सिटी से तेज साउंड बजाने की अनुमति मांगी, लेकिन वह कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने डीजे उपकरण जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज किया पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक आयोजनों में निर्धारित समय व ध्वनि सीमा का पालन अनिवार्य है। नियमों के उल्लंघन पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के तस्कर को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा

मुनाफे के लिए सस्ते मादक पदार्थ इंदौर में महंगे में बेचता

इंदौर। शहर में नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने राजस्थान के एक तस्कर को भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को ऊँचे दामों पर बेचने का अवैध धंधा चला रहा था। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम शहर के विभिन्न इलाकों में संदिग्धों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान संजय सेतु पार्किंग क्षेत्र में एक व्यक्ति संदिग्ध गतिविधि करता नजर आया। पुलिस को देखते ही वह घबरा गया, जिस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही रोक लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम देवीलाल मीणा निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 36.39 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर और एक दोपहिया वाहन होंडा स्प्लेंडर बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में देवीलाल मीणा ने स्वीकार किया कि वह अधिक मुनाफा कमाने की नीयत से सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर में ऊँचे दामों पर बेचता था। इस बार भी वह नशे का माल शहर में खपाने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार आरोपी दिहाड़ी मजदूरी करता है और आठवीं कक्षा तक शिक्षित है। उसे गिरफ्तार कर थाना अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्त ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 70 हजार रुपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत और इंदौर में सक्रिय नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

राह दिखाता है माणकचंद कटारिया का जीवन दर्शन

इंदौर। स्वतंत्रता संग्राम और गांधीवादी जीवन-मूल्यों से प्रेरित माणकचंद कटारिया का आजीवन योगदान ही उनका वास्तविक जीवनदान था। उन्होंने महात्मा गांधी और भगवान महावीर के जीवन-दर्शन को जोड़ने वाली दृष्टि को अपने आचरण में उतारने का सतत प्रयास किया। आज भले ही हम माणकचंद कटारिया जैसा आदर्श जीवन न जी सकें, लेकिन उनके दर्शन को अपने मन और कर्म में जीवित रखते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प अवश्य ले सकते हैं।

ये विचार सामाजिक कार्यकर्ता एवं नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेत्री मेधा पाटकर ने व्यक्त किए। वे जाल सभागृह में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम और गांधीवादी जीवन-मूल्यों से प्रेरित स्व. माणकचंद कटारिया की जन्मशताब्दी के अवसर पर आयोजित स्मरण-संवाद एवं पुस्तक 'अहिंसा कुछ करने को कहती है' के विमोचन समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता अनिल त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक श्रवण गर्ग, कवि कुमार अंबुज तथा साहित्यकार सरोजकुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मेधा पाटकर ने कहा कि आज देश में हिंसा निरंतर बढ़ रही है। जाति, पंथ और वर्ग के भेद गहराते जा रहे हैं। हिंसा मनुष्य को मनुष्यता से दूर ले जा रही है, जिसे माणकचंद कटारिया ने अपने विचार और लेखन में स्पष्ट रूप से नकारा है। ऐसे समय में उनकी डायरी 'अहिंसा कुछ करने को कहती है' हमें दिशा देती है कि हिंसा से मुक्ति का मार्ग कैसे खोजा जाए।

उन्होंने स्वतंत्रता के बाद की परिस्थितियों को अपनी दृष्टि और विवेक से दर्ज किया, जो आज के परिप्रेक्ष्य में भी हमें सचेत करती हैं और हिंसा के विभिन्न रूपों से जूझने का संदेश देती हैं।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अनिल त्रिवेदी ने कटारिया जी के साथ अपने बचपन और युवावस्था के संस्मरण साझा करते हुए कहा कि पुरानी दुनिया तन और मन के बल पर चलती थी, जबकि आज का जीवन धन के इर्द-गिर्द सिमट गया है।

उन्होंने कहा कि माणकचंद कटारिया जैसे लोग किसी दूसरी दुनिया के नहीं थे, बल्कि हमारे बीच रहकर जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते थे। आज शताब्दी के इस अवसर पर हमें यह प्रश्न स्वयं से पूछना चाहिए कि हमारी प्राथमिकताएं क्या हैं--जीवन या केवल धन।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग और कवि ङ्क लेखक कुमार अंबुज ने भी अपने विचार रखे।कार्यक्रम के दौरान माणकचंद कटारिया की पुस्तकें 'अहिंसा कुछ करने को कहती है', 'महावीर जीवन में' तथा अतुल कटारिया का कविता-संग्रह 'वाचाल चुप्पियाँ' का विमोचन किया गया।अतिथियों का स्वागत मंजू, रेणु, मीना, अरविंद एवं अजय कटारिया ने किया। माणकचंद कटारिया की पोती डॉ. कृति गर्ग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव, सिर्फ़ व्यवस्था परिवर्तन से बदलाव स्थायी नहीं : मुकुंद जी

भोपाल विभाग की ओर से रविवार को कवर्ड कैंपस कार्य के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भोपाल विभाग की ओर से रविवार को कवर्ड कैंपस कार्य के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनआईटीटीआर में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य कवर्ड कैंपस में संघ कार्य को और अधिक सशक्त बनाना तथा कार्यकर्ताओं को वैचारिक स्पष्टता के साथ समाज परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद जी मुख्य रूप से उपस्थित हुए और उन्होंने जनशक्ति एवं मातृशक्ति से आत्मीय संवाद किया। कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के सह संघचालक डॉ. राजेश सेठी जी, भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर जी सहित विभाग के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और कवर्ड कैंपस में सक्रिय स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संवाद का वातावरण विचारोत्तेजक और प्रेरणादायी रहा।

व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव -अपने उद्बोधन में सह सरकार्यवाह मुकुंद जी ने कहा कि संघ कार्य की दृष्टि से कवर्ड कैंपस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहाँ कार्य करने वाले लोग स्वभाव से ही राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित होते हैं और अपने आचरण तथा संपर्क के माध्यम से व्यक्ति और समाज में राष्ट्रभाव जागृत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति निर्माण से ही समाज परिवर्तन संभव है और यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल उद्देश्य है। मुकुंद जी ने कहा कि संघ ने अपने 100 वर्षों के कार्यकाल में इसी ध्येय मंत्र को केंद्र में रखकर कार्य किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज समाज में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि केवल व्यवस्था परिवर्तन से होने वाले बदलाव स्थायी नहीं होते। जब तक व्यक्ति के विचार, आचरण और जीवन मूल्य नहीं बदलते, तब तक समाज में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है।

संस्कार, संस्कृति और मूल्य प्राप्त हुए - चर्चा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज पर केवल सैन्य आक्रमण ही नहीं हुए, बल्कि समय-समय पर आर्थिक और वैचारिक आक्रमण भी होते रहे हैं। ऐसे में समाज को सजग, संगठित और आत्मनिर्भर बनाना आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें आज जो संस्कार, संस्कृति और मूल्य प्राप्त हुए हैं, उन्हें अगली पीढ़ी तक सुरक्षित रूप से पहुँचाना हमारा दायित्व है। व्यक्ति निर्माण के विषय पर प्रकाश डालते हुए मुकुंद जी ने कहा कि घर और परिवार की भूमिका इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज के साथ-साथ परिवार भी व्यक्ति निर्माण की पहली और सबसे प्रभावशाली पाठशाला है। यदि परिवार में संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभाव का वातावरण हो, तो समाज स्वतः सुदृढ़ बनता है।

बैतूल शिक्षा जगत की मिशाल बनीं सतपुड़ा वैली स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा

आउटस्टैंडिंग लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित

बैतूल। सतपुड़ा वैली स्कूल बैतूल की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके बेहतरीन योगदान के लिए एजीएन एजुकेशन लीडरशिप समिट इंदौर में आउटस्टैंडिंग लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है जो कि विगत दिनों इंदौर में आयोजित किया गया। उनकी सोच, लगन और अथक प्रयासों ने बैतूल के हर बच्चे के लिए समग्र शिक्षा, रचनात्मकता, इनोवेशन और सर्वांगीण विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर श्रीमती डागा ने कहा की शिक्षा और संस्कार का उद्देश्य उसके विकास की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। अतः एक आदर्श समाज और व्यक्ति के लिए शिक्षा की भूमिका अनगिनत है। प्रत्येक समाज और राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने व्यक्तियों के लिए समग्र सुख और समृद्धि लाए। इस उपलब्धि पर सतपुड़ा वैली की प्राचार्या डॉ रीतु बाजपाई एवं स्कूल परिवार की ओर से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामनाएं की गई।

वेदांती महाराज का स्वास्थ्य खराब होने से रामकथा स्थगित

19 से 25 दिसंबर तक ओपन ऑडिटोरियम में होने वाली थी कथा

बैतूल। शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में 19 से 25 दिसंबर तक होने वाली रामलला रामकथा फिलहाल स्थगित हो गई है। कथाव्यास वेदांती महाराज जी का स्वास्थ्य खराब होने के चलते यह कथा स्थगित की गई है। गौरतलब है कि श्री रामलला रामकथा आयोजन समिति के तत्वावधान में 18 दिसंबर को धर्मध्वजा यात्रा निकलने वाली थी और 19 से 25 दिसंबर तक ओपन ऑडिटोरियम में रामजन्म भूमि न्यास के पूर्व अध्यक्ष रामविलास वेदांती के श्रीमुख से रामलला रामकथा होने वाली थी। लेकिन आज वेदांती महाराज जी का स्वास्थ्य खराब होने के चलते रामकथा स्थगित की जा रही है।

एयर एंबुलेंस से एम्स में भर्ती-इस संबंध में वेदांती महाराज जी के शिष्य डा राघवदास वेदांती ने बताया कि रीवा के एक कार्यक्रम में भोजन के उपरांत महाराज जी को चक्कर आए तो उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल अस्पताल पहुंचे और महाराज जी को एयर एंबुलेंस से भोपाल एम्स भर्ती कराने के लिए लेकर आए।

शीघ्र घोषित होगी नई तिथि-श्री रामलला रामकथा समिति ने सभी रामभक्तों का सहयोग के लिए आभार जताया। उधर समिति के संरक्षक और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने महाराज जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और आशा जताई कि जल्द ही बैतूल में विशाल स्तर पर रामकथा होगी।

बर्थ-डे पार्टी में हुए झगड़े, हत्या के प्रयास के 3 अपचारी बालक गिरफ्तार

बैतूल। बर्थ-डे पार्टी में हुए झगड़े और हत्या के प्रयास के तीन अपचारी बालकों को पुलिस ने पकड़ लिया है, वहीं एक अन्य अभी भी फरार है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 13 दिसंबर को फरियादी निलेश पिता बुध्धू नवडे (18) निवासी बोथी थाना बैतूल बाजार की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बैतूल में धारा 109(1),3(5) बीएनएस, विधि विरुद्ध बालकों के विरूध्द कायम किया और मामला विवेचना में लिया गया। प्रकरण के 3 अपचारी बालको को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। वहीं प्रकरण में 1 अपचारी फरार चल रहा है। इस कार्रवाही में निरीक्षक नीरज पाल, उनि राकेश सरयाम, सउनि प्रवीण पचौरी, प्र.आर. अजय भलावी, प्र.आर. शिवकुमार , प्र.आर. नानकराम, आर. रोहित, ओमकार, पवन, उज्जवल, नितिन चौहान की विशेष भूमिका रही है।

नैनो उर्वरक के उपयोग पर पैनल डिस्कशन आज

बैतूल। कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में आज सोमवार 15 दिसंबर को सुबह 11 बजे कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से नैनो उर्वरक उपयोग पर पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया है। जिसमें नैनो यूरिया के उपयोग, सावधानी, लाभ तथा प्रभाव पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन में कृषि वैज्ञानिक व कोरोमंडल उर्वरक कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक सूर्यकांत त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। पैनल डिस्कशन के दौरान जिले के नैनो यूरिया उपयोगकर्ता कृषकों को सम्मानित भी किया जावेगा। कृषि विभाग ने किसानों से इस परिचर्चा में हिस्सा लेकर नैनों उर्वरको संबंधी अपनी जिज्ञासाओं का उत्तर प्राप्त कर नैनो उर्वरक का प्रभावी उपयोग और पर्यावरण हितैषी इस तकनीक को अपनाने का आग्रह किया है।

तबादला होने के बाद नहीं मिले लैब टेक्नीशियन, रेडियोलॉजिस्ट का भी पद खाली

जिला अस्पताल में 4 लैब टेक्नीशियन के भरोसे औसतन एक हजार जांचें

एस. द्विवेदी,बैतूल। जिला अस्पताल में लैब टेक्नीशियनों की कमी बनी हुई है। इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (आईपीएचएल) में वैसे 11 लैब टेक्नीशियन होने चाहिए, लेकिन जिला अस्पताल में संविदा सहित 7 लैब टेक्नीशियन है। बताया जा रहा है कि इसमें 3 ब्लड बैंक में और 4 पैथोलॉजी लैब में कार्य कर रहे हैं। पिछले दिनों यहां से कुछ लैब टेक्नीशियन का तबादला हो गया। उनके बदले जिला अस्पताल में कोई पदस्थ नहीं हुआ है। पैथोलॉजी लैब में मौजूद चार टेक्नीशियनों में से सुबह और दोपहर में 2-2 लैब टेक्नीशियन ड्यूटी कर रहे है। रात्रि के समय पियोसिटी साइंस द्वारा मशीनें ऑपरेट करने भेजे गए कर्मचारियों के भरोसे ही पैथालॉजी लैब रहती है। वहीं चार लैब टेक्निशियन ही प्रतिदिन औसतन ढाई सौ मरीजों के लगभग एक हजार टेस्ट करने मजबूर है। बताया गया कि जिला अस्पताल में लगभग एक साल पहले इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी शुरू की गई है। आईपीएचएल के प्रावधानों के अनुसार इसमें जांच करने के लिए पैथालॉजिस्ट, एक माइक्रो बायोलाजिस्ट, एक बायोकेमिस्ट, 11 लैब टेक्नीशियन एक डाटा एंट्री ऑपरेटर और 2 स्टाफ सहित कुल 17 कर्मचारी होने चाहिये। कुछ समय पूर्व तक यहां 9 लैब टेक्नीशियन पदस्थ थे, लेकिन एक-एक कर पांच लैब टेक्नीशियन का तबादला हो गया है। जिससे अब यहां चार लैब टैक्निशियन ही पदस्थ है। इनके द्वारा ही यहां सभी प्रकार के टेस्ट लगाए जा रहे है।

110 जांचों का हुआ है अनुबंध : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला अस्पताल की आईपीएचएल लेबोरेटरी में 110 प्रकार की अलग-अलग जांच करने के लिए मशीने और रियेजेंट उपलब्ध करवाने का अनुबंध भी की पियोसिटी साइंस कंपनी को दिया है। कंपनी द्वारा वर्तमान में जिला अस्पताल में लगभग 80 प्रकार की जांचों की सुविधा और मशीनें उपलब्ध करवाई है, वहीं लगभग 30 प्रकार की जांचों के लिए कंपनी द्वारा सैंपल भोपाल भेजे जा रहे है। कंपनी द्वारा मशीन ऑपरेट करने कर्मचारी भी तैनात किए गए है। बताया जा रहा है कि पियोसिटी साइंस भोपाल द्वारा मशीन ऑपरेट करने ऑपरेटर नियुक्त किए है। इनका कार्य मशीनों

को ऑपरेट करना है, लेकिन लैब टेक्नीशियन की कमी से ऑपरेटर भी टेस्ट लगा रहे है वहीं, रात्रि के समय इनके ही भरोसे पैथालॉजी रहती है।

प्रतिदिन होती है लगभग एक हजार जांचे : जिला अस्पताल में रोजाना 800 से एक हजार के बीच मरीज उपचार कराने आते है। इन मरीजों को चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार जांच लिखी जाती है। बताया जा रहा है कि ओपीडी में आने वाले मरीजों के साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों में से प्रतिदिन औसतन ढाई सौ मरीजों की लगभग एक हजार जांच होती है। वर्तमान में पदस्थ 4 लैब टेक्नीशियन में से दिन की दोनों शिफ्ट में 2-2 टैक्निशियन आ रहे है, जिनके ऊपर कार्य का अत्यधिक दबाव है। ऐसे में इन चारों में से किसी के छुट्टी पर जाने से कार्य प्रभावित हो जाता है। वहीं मरीजों को भी टेक्नीशियनों की कमी के कारण परेशान होना पड़ता है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन द्वारा समय-समय पर चिकित्सकों, लैब टेक्नीशियन की कमी को लेकर पत्राचार किया जाता है, लेकिन खाली पदों की पूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है।

करीब दो साल से रेडियोलॉजिस्ट नहीं

जिला अस्पताल में करीब दो साल से रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं है। जो रेडियोलॉजिस्ट पदस्थ थे, वे दिसंबर 2023 में रिटायर हो चुके है, तब से लेकर वर्तमान तक नये रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि यहां शासन के निर्देशानुसार शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी हो जाती है, लेकिन सामान्य मरीजों को बाहर से सोनोग्राफी करनी पड़ती है। जिला अस्पताल में डॉक्टर जिन्हें पेट संबंधी परेशानी है, उन्हें सोनोग्राफी कराने की सलाह देते है, लेकिन जिला अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने से मरीजों को शहर के प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर जाना पड़ता है। जिसमें सबसे अधिक आर्थिक मार गरीब वर्ग के मरीजों पर पड़ती है। प्राइवेट में अल्ट्रासाउंड जांच के लिए 800 से 900 रुपए चुकाना होते हैं। यही सोनोग्राफी जिला अस्पताल में निःशुल्क हो जाती थी।

इनका कहना है

जिला अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के 10 पद ही है। वर्तमान में संविदा सहित 7 लैब टेक्नीशियन है। शासन को पत्र लिखकर अस्पताल में चिकित्सक, रेडियोलॉजिस्ट और लैब लैब टेक्नीशियन के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए मांग की है। पियोसिटी साइंस के मशीन ऑपरेटर भी मूलतः लैब टैक्निशियन ही होते है, इसलिये उनकी मदद ली जा रही है।

- डॉ. जगदीश घोरे, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल, बैतूल

संक्षिप्त समाचार

खनिज रेत, गिट्टी, मुरूम का अवैध परिवहन कर रहे 05 वाहनों को किया जप्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग द्वारा खनि अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान 11 दिसंबर को घोड़ाडोंगरी क्षेत्रांतर्गत खनिज गिटटी का ओवरलोड परिवहन करते हुए 1 डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 1609, खनिज मुरूम का बिना रॉयल्टी परिवहन करते हुए 2 डम्पर क्रमांक एमपी 40 जीए 0540 एवं आरजे 19 जीएफ9549 एवं 01 टैक्टर आयशर खनिज गिट्टी, डस्ट का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त कर पुलिस थाना घोड़ाडोंगरी की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। इसके अलावा खनि निरीक्षक श्री व्ही.के. वशिष्ठ द्वारा खनि अमले के साथ 11 दिसंबर को कार्यवाही करते हुए भैंसदेही क्षेत्रांतर्गत ग्राम रातामाटी से 01 ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 48 एए 4739 को खनिज रेत के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जप्त कर पुलिस चौकी भीमपुर की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। उक्त वाहनों के वाहन चालकों, वाहन मालिकों के विरूद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालया अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सांसद-विधायक निधि के विकास कार्यों को समय पर पूरा करायें : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैठक में सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जनपदवार तथा नगरीय निकायवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निधि से स्वीकृत सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाये। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्पष्ट कहा कि सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्य जनता की सुविधा एवं जनहित से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने ऐसे सभी कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने पर भी जोर दिया, जिनकी स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि जो कार्य प्रगतिरत हैं उन्हें समय पर पूर्ण कराने का प्रयास करें। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से कार्यवार प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की तथा समय सीमा में कार्य पूर्ण करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि जिले में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए समन्वय और निगरानी के साथ कार्य करें। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने कहा कि आमजन को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिये परेशानी न हो इसके लिये सभी पंचायत सचिवों को ताकीद किया जाये। बैठक में जिला योजना अधिकारी श्री संजय लक्केवार एवं सभी सीईओ और सीएमओ उपस्थित थे।

जिला विकास सलाहकार समिति बैठक की तैयारियों की कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। राज्यमंत्री , लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल की अध्यक्षता में 13 दिसंबर को आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने विभागवार तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में शामिल किए जाने वाले प्रमुख एजेंडों, विकास योजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग तथा लंबित कार्यों पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक जिले के विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग अपनी तैयारियों को समय सीमा में पूरा करें और जिन योजनाओं में विलंब हो रहा है, उनकी स्थिति व कारणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करें। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बैठक की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान अंतर्गत स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल ग्यारसपुर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैदरगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री मुकेश ताम्रकार बाल विवाह रोकथाम प्रभारी महिला बाल विकास विदिशा द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणामों बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं और प्रावधानों की जानकारी दी गई। श्री ताम्रकार द्वारा स्कूली बच्चों को विद्यालय प्रांगण में सामूहिक शपथ दिलाई गई। घर-घर शिक्षा का दीप जलाएं ,बाल विवाह को बंद कराएं का नारा बच्चों को दिया गया। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता एवं महत्व की जानकारी दी गई। श्री ए.डी. डंगवाल सहायक सांख्यिकी अधिकारी महिला बाल विकास विदिशा द्वारा बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ और बालिका शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई।

त्यौंदा तहसील क्षेत्र में कलेक्टर अंशुल गुप्ता का व्यापक निरीक्षण, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को त्यौदा तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, चल रहे विकास कार्यों, ग्रामीणजन की व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामों में सीधा संवाद, समस्याओं का तत्काल संज्ञान : भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ग्रामीणों व स्वसहायता समूहो की महिला दीदीयों के बीच पहुंचे और उनसे सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, योजनाओं की स्थिति और आवश्यक सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संसाधनों से जुड़ी समस्याएं भी बताईं जिन पर तत्काल कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

बागरोद कृषि उपज मंडी का निरीक्षण : कलेक्टर श्री गुप्ता ने बागरोद कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर किसानों की बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। किसानों से उपज तौल, खरीदी व्यवस्था एवं भुगतान से संबंधित समस्याएँ पूछीं। मंडी परिसर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए विशेष ध्यान रखें।

बूढ़ी बागरोद में आंगनवाड़ी, स्कूल और पंचायत भवन का निरीक्षण : कलेक्टर श्री गुप्ता ने बूढ़ी बागरोद पहुँचकर ग्रामीण संस्थाओं की स्थिति जानी और आंगनवाड़ी केंद्र एवं बच्चों के पोषण आहार, उपस्थित बच्चों की संख्या, टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं को प्रदाय सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए है कि आंगनबाडी व शासकीय उचित मूल्य दुकान पंचायत भवन परिसर में ही संचालित किए जाएं। शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, मध्यान्ह भोजन तथा शिक्षण-सामग्री का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने पंचायत भवन में ग्रामीणों से आवेदनों की स्थिति जानी तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बागरोद में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निगरानी के लिए गठित सतर्कता समिति के सदस्य से संवाद कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है।

शांति धाम : कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत कस्बा बागरोद में 9 बीघा अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराकर बनाए गए शांतिधाम का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाने पर बल दिया है।

नया गांव टप्पा : कलेक्टर श्री गुप्ता ने सहरिया बाहुल्य नया गांव टप्पा में पहुंचकर पीएम जनमन योजना के तहत संपादित किए गए कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने सहरिया जनजाति वर्ग के उत्थान हेतु किए जा रहे विशेष प्रयासो के संबंध में स्थानीय नागरिकों से संवाद कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। ग्राम की खिलानबाई से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने जाना कि वृद्धावस्था पेंशन मिल रही है कि नहीं। हितग्राही ने बताया कि हर माह छह सौ रूपए मिलते है किन्तु लेने के लिए त्यौंदा जाना पड़ता है। बैंकिग व्यवस्था के माध्यम से गांव में ही हितग्राहियों को पेंशन की राशि प्राप्त हो इसके लिए गांव के ही सहरिया जनजाति के पढे लिखे युवा-युवती को कियोस्क जैसी सुविधा संचालित कराई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत के नया गांव टपरा में प्रधानमंत्री जनमन आंगनबाडी मॉडल केन्द्र का भी निरीक्षण किया और परिसर में संचालित स्कूल में पहुंचकर बच्चों से संवाद किया है।

त्यौदा तहसील कार्यालय एवं स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण: कलेक्टर श्री गुप्ता ने त्यौदा तहसील कार्यालय का निरीक्षण करते हुए राजस्व प्रकरणों की प्रगति पर जानकारी ली। राजस्व अधिकारियों को समयसीमा में प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। तहसील कार्यालय में रखे अभिलेख, कर्मचारियों की उपस्थिति एवं सेवा वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की। इससे पहले कलेक्टर श्री गुप्ता ने त्योंदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से प्रदाय स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न वार्डो का भ्रमण किया। संतोषजनक प्रगति परलिक्षित नहीं होने पर संबंधितों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित को मौके पर दिए है। उन्होंने अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, उपचार सुविधाएँ, साफ-सफाई और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का अवलोकन भी किया है। चिकित्सक और स्टाफ को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने रसूलपुर में संचालित बालिका छात्रावास में किए गए प्रबंधो की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए छात्रावास अधीक्षक सुनीता मौर्य के द्वारा छात्रावासी प्रबंधो को बेहतर बताते हुए और किन-किन चीजो की आवश्यकता है के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने रसूलपुर के पशु चिकित्सा केंद्र का निरीक्षण कर पशुओं के उपचार, टीकाकरण एवं औषधियों की उपलब्धता की स्थिति का जायजा लिया है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी सख्त

31 दिसंबर तक सिंगल विलेज की योजनाओं को पूर्ण कर हैंड ओवर किया जाए

बैतूल (निप्र)। जिले में जल जीवन मिशन के कामों की प्रगति को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागीय अधिकारियों से गांव-गांव में चल रहे पाइपलाइन बिछाने, नल कनेक्शन देने और जल संरचनाओं के निर्माण की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। कई स्थानों पर काम निर्धारित समय सीमा से पीछे चल रहा था, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जो ठेकेदार निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं करते है और मौके पर प्रगति नहीं दिखती उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फील्ड विजिट बढ़ाएं और सप्ताह दर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि 31 दिसंबर तक सिंगल विलेज की योजनाओं को पूर्ण कर हैंड ओवर किया जाए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में जिन ग्रामों में मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने, नल कनेक्शन देने के कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है, उन कार्यों को बिना किसी देरी के संबंधित ग्राम पंचायतों को हैंडओवर किया जाए। उन्होंने पीएचई विभाग से पूर्ण योजनाओं की सूची तैयार कर तकनीकी परीक्षण कराते हुए शीघ्र हैंडओवर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लापरवाह ठेकेदारों के भुगतान पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान ठेकेदारों ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को बताया कि छह माह या एक वर्ष से अधिक की पूर्ण योजनाओं के हैंडओवर में पंचायतों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने इन योजनाओं में वर्तमान में कोई टूट फूट होने पर उसकी वसूली पंचायत एवं जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान ओम साई छिंदवाड़ा को पाइप लाइन, टंकी, नल कनेक्शन का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। परमानंद ट्रेडर्स को ग्राम कुम्हारटेक में टंकी के पास शेष बचे विद्युत कार्य को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेसर्स राम बाबू केसरी को गेहूं बारसा में शेष पाइप लाइन बिछाने का कार्य 25 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बालिकाओं को पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह रोकथाम एवं बाल संरक्षण कानूनों की दी गई जानकारी

रायसेन (निप्र)। शासकीय कन्या विद्यालय बेगमगंज में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं बाल संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर कृषक सहयोग संस्थान द्वारा बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सबसे दिलाई गई और हस्ताक्षर कर बाल विवाह रोकने के लिए संकल्प दिलाया गया।

प्रशिक्षण के दौरान बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश मालवीय ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाल उत्पीड़न, शोषण एवं अपराध के मामलों में कानूनी प्रक्रिया और बच्चों के अधिकारों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। बेगमगंज प्रभारी परियोजना अधिकारी बेगमगंज संगीता ठाकुर ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की प्रमुख धाराओं, बाल विवाह के दुष्प्रभावों तथा

बाल विवाह रोकथाम के लिए 100 दिवसीय कार्य योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने समाज में जागरूकता बढ़ाने और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में विद्यालयों की भूमिका पर जोर दिया। कृषक सहयोग संस्थान रायसेन के शिवनारायण सेन ने बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों, आत्मरक्षा, शिक्षा के महत्व एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बालिकाओं को निर्भीक होकर अपनी बात रखने तथा किसी भी प्रकार के शोषण या दबाव की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 700 बालिकाएं, विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त विद्यालय स्टाफ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण रायसेन, 12 दिसम्बर 2025 कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को जिला अस्पताल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि उपचार हेतु आने वाले मरीजों को किसी परेशानी ना हो।

कलेक्टर ने शासकीय जनजातीय बालक आश्रम शाला सिद्धपुर का किया औचक निरीक्षण

निम्न शैक्षणिक गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सेमरी हरचंद के समीप स्थित शासकीय जनजातीय बालक आश्रम शाला छात्रावास सिद्धपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास आवासीय विद्यालय की शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। कलेक्टर ने छोटे-छोटे विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित के प्रश्न पूछकर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई पर शिक्षकों को अभी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि बच्चों में सीखने की उच्च क्षमता है। लेकिन उनपर ध्यान दिया जाना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने गहन अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की पाठ्यक्रम के अभ्यास और पाठ भी अपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय शासन की बहुत ही महत्वकांक्षी पहल है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। कलेक्टर ने एसी ट्राइबल को संबंधित शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई, अभ्यास एवं सीखने की प्रक्रिया को प्राथमिकता से सुधारना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास के कक्ष, रसोई घर एवं भोजन कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रसोई घर पहुंच कर बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।

साथ ही भोजशाला में ही स्थित भोजन कक्ष का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छात्रावास में साफ सफाई का विशेष ख्याल रखा जाए साथ ही शौचालय सहित अन्य जगहों की सफाई व्यवस्था की अनिवार्य रूप से नियमित मॉनिटरिंग की जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक नागवंशी, तहसीलदार श्री अनिल झरबडे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय एनीमिया एवं पोषण आहार प्रशिक्षण किया गया आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। माखननगर ब्लॉक में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय एनीमिया एवं पोषण आहार प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन ब्लॉक के सीएचओ और एएनएम के लिए किया गया, जिसकी देखरेख बीएमओ डॉ. कल्याणी यादव ने की। उक्त प्रशिक्षण शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से आए प्राध्यापक डॉ. पुष्पेंद्र साहू और डॉ. अम्बरीष मिश्रा द्वारा प्राइम लैंड होटल, नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया।

उन्होंने बताया कि आयरन की कमी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं को अब आयरन सुक्रोज के पाँच डोज़ के बजाय केवल एक डोज़ में एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज़) इंजेक्शन दिया जाएगा। एफसीएम में मौजूद फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज़ शरीर में आयरन का स्रोत बनकर ऑक्सीजन परिवहन और लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है। यह इंजेक्शन 10मिली की मात्रा में दिया जाता है और गर्भावस्था के दौरान एक बार ही लगाया जाता है।

प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ, एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से लेकर प्रसव तक की एएनसी (एंटीनेटल) देखभाल के लिए आवश्यक चार जांचों तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त चार से अधिक जांचों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में किशोरियों, महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, विटामिनडी, आयोडीन और फाइबर से भरपूर संतुलित आहार लेने की सलाह दी गई। हरी सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज, डेयरी उत्पाद और पर्याप्त पानी के सेवन को प्रोत्साहित किया गया, जबकि मीठे और वसायुक्त भोजन से बचने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को भी उजागर किया गया।

प्रशिक्षण का निरीक्षण सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत ने किया। उन्होंने कहा कि एनीमिया मातृ मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है, क्योंकि उचित पोषण की कमी से गर्भवती महिलाओं में जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं और इससे शिशु पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डॉ. गेहलोत ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित रूप से सास-बहु सम्मेलन या अन्य सामुदायिक बैठकों में एनीमिया और पोषण आहार पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्पूर्ण व्यवस्था एसटीएस देवनारायण खापरे ने संभाली। उन्होंने प्रतिभागियों को एनीमिया से बचाव के लिए फ्लिप बुक वितरित की और प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहयोग दिया।

पिपरिया बीईओ ने जिला अधिकारियों के आदेश की अवेहलना की

छात्रवृत्ति और एरियर्स की राशि का गबन करने वाले ऑपरेटर पर एफआईआर नहीं

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया ब्लॉक में शिक्षक एरियर्स और छात्रवृत्ति राशि में गबन के मामले में डाटा एंट्री ऑपरेटर पर एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर लोक शिक्षण नर्मदापुरम के संयुक्त संचालक (जेडी) ने 9 दिसंबर को नया पत्र लिखा। जेडी मनीष वर्मा ने पत्र में कहा कि पांच दिनों में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन करते हुए ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाए। पत्र में स्पष्ट लिखा कि 'वरिष्ठ अफसरों के निर्देशों की अवहेलना और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। बीईओ एसएल रघुवंशी ने कहा कि हमने एफआईआर के लिए 2 मई 2025 को सभी दस्तावेज थाना प्रभारी को दे दिए हैं।

तीन आदेशों के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं: ब्लॉक के शिक्षकों के एरियर्स और छात्रवृत्ति में लगभग 9 लाख रुपए का गबन हुआ था। ऑपरेटर कमलेश कुमार अहिरवार ने अपने रिश्तेदारों के खाते में राशि का भुगतान किया। अगस्त 2024 में एक ही खाते में बार-बार राशि जाने पर ट्रेजरी शाखा ने मामले को पकड़ा। जांच के बाद 7 मार्च 2025 को कलेक्टर कार्यालय और जेडी ने ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर कराने के आदेश दिए। इसके बाद 24 अक्टूबर 2025 और तीसरी बार 9 दिसंबर 2025 को भी एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। मंगलवारा थाने में शुक्रवार तक कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ किसी भी दस्तावेज की पेशकश नहीं की गई। पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को भी जांच के लिए बुलाया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारण बताकर उपस्थिति नहीं दी। अब 15 दिसंबर को विकासखंड शिक्षा अधिकारी और सेवा निवृत्त क्लर्क अनिल कुमार अग्रवाल जांच समिति के सामने पेश होंगे। मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि 'हमें एफआईआर कराने के लिए बीईओ कार्यालय से फिलहाल कोई पत्र नहीं मिला है।' बीईओ एसएल रघुवंशी ने कहा, 'वरिष्ठ अफसरों के निर्देश पर हमने मार्च और 2 मई 2025 को थाना प्रभारी पिपरिया को पत्र लिखकर सभी दस्तावेज दे दिए। एफआईआर कराने में हम देरी नहीं कर रहे।'

अधिकारियों की लापरवाही पर सवाल : शिक्षा विभाग ने 7 मार्च 2025 को कलेक्टर कार्यालय के पत्र के बाद ऑपरेटर पर एफआईआर कराने के निर्देश दिए थे। फिर 24 अक्टूबर और तीसरी बार 9 दिसंबर 2025 को भी आदेश जारी किए गए, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इस पर सवाल उठ रहे हैं कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना क्यों कर रहे हैं।

पत्नी और रिश्तेदारों को राशि का भुगतान : जांच में पाया गया कि ऑपरेटर ने अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के खातों में छात्रवृत्ति और एरियर्स की राशि ट्रांसफर कराई।

कुल गबन करीब 24 लाख रुपए का था, जिसमें ट्रेजरी जांच में 9,48,000 रुपए की पुष्टि हुई। जांच के दौरान ऑपरेटर ने कुछ राशि वापस करके अपनी गलती स्वीकार की। लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर पर एफआईआर अब तक नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेटर के पास मामले से जुड़े कई साक्ष्य हैं, जिनसे नए नाम भी सामने आ सकते हैं।

वर्तमान और पूर्व बीईओ पर भी जांच

एरियर्स और छात्रवृत्ति राशि में गबन साल 2018 से 2024 तक हुआ। इस बीच दो पूर्व बीईओ और वर्तमान बीईओ पदस्थ रहे है। विभाग ने जांच में तीनों बीईओ के भी बयान लिए गए और विभागीय जांच भी हुई है।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम संभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम संभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन संभागीय आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में किया गया। जिसमें मार्गदर्शन के लिए भोपाल से जन अभियान परिषद राज्य कार्यालय के प्रतिनिधि के रूप में निदेशक सेल श्री वीरेंद्र व्यास संभाग प्रभारी नर्मदापुरम श्री प्रवीण शर्मा उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम मां नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत शुभारंभ किया गया। उसके पश्चात नर्मदापुरम संभाग के संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी के द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संभाग का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा प्रस्फुटन योजना, नवांकुर योजना ,मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम एवं अन्य कार्यालयीन प्रगति की विकासखंडवार समीक्षा की गई। इस अवसर पर नर्मदापुरम जिले के जिला समन्वयक पवन सहगल, हरदा जिले के जिला समन्वयक संदीप गोहर, बैतूल जिले से जिला समन्वयक प्रिया चौधरी एवं समस्त संभाग के विकासखंडो के ब्लॉक समन्वयक उपस्थित रहे बैठक का आभार जिला समन्वयक नर्मदापुरम पवन सहगल के द्वारा किया गया।

राइट क्लिक

देश में 'इंडिगो संकट' और सात सवाल !

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

देश की सबसे बड़ी विमान कंपनी इंडिगो के संकट ने कई सबक दिए हैं। पहला तो विमान क्षेत्र को केवल निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, दूसरा किसी भी विमान का कंपनी का एकाधिकार होने का अर्थ है यात्री हितों को तिलांजलि, तीसरा है कोई भी निजी विमान कंपनी सरकारी डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) के आदेशों को इतना हल्के में कैसे ले सकती है कि उसे किसी दंडात्मक कार्रवाई का डर न हो, चौथे देश में करीब पंद्रह दिनों तक विमान सेवाओं में मचे हाहाकार के बावजूद इंडिगो कंपनी के माथे पर शिकन तक नहीं तो क्यों, पांचवा कंपनी ने यात्रियों को टिकट राशि पूरी तरह रिफंड करने की जगह ट्रैवल वाउचर देने की पेशकश की, लेकिन क्या इससे यात्रियों को मानसिक यातना भुगतनी पड़ी उसका क्या, छठे देश में विमान यात्री हित सुरक्षा का कानून कब बनेगा? और सातवां यह कि क्या सरकार अब जागेगी, क्योंकि डीजीसीए ने तुरंत प्रभावी कार्रवाई करने के बजाए शुरू में अपना ही आदेश वापस लेकर कंपनी के आगे सिर नवाया।

कार्रवाई हुई मगर देरी से

दरअसल भारत में इंडिगो विमान सेवा के ध्वस्त होने का गलत संदेश पूरी दुनिया में चला गया है, जिसे सुधरने में वक्त लगेगा। इस मामले में डिजीसीए ने भी कड़ी कार्रवाई की मगर देर से। आज इंडिगो घरेलू उड़ानों की सबसे बड़ी विमान कंपनी है। इंडिगो के पास 1800 से ज़्यादा उड़ानें और एविएशन मार्केट का क़रीब 65 फ़ीसदी हिस्सा है (हालांकि अब इसमें 10 फीसदी की कटौती कर दी गई है)। लेकिन पायलट 5 हजार से कुछ अधिक ही हैं। इतनी बड़ी कंपनी किस तरह कम खर्च और तगड़ी मुनाफा वसूली के साथ कैसे ग्राहकों को ठग रही थी, इसकी कहानी अब सामने आ रही है। कंपनी का डीजीसीए में भी कितना रसूख था, यह भी साफ हो रहा है। यही नहीं कंपनी के कुप्रबंधन के देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन के विंटर शेड्यूल में कम से कम 10 प्रतिशत कट लगाने का निर्णय बरकरार रखा, जिसका मतलब यह था कि प्रतिदिन 200 से अधिक उड़ानें अस्थायी तौर पर नेटवर्क से बाहर की जा सकती हैं। इसी बीच, डीजीसीए ने एक आठ सदस्यीय ओवरसाइट टीम भी बना दी। इस टीम के दो अधिकारी अब रोजाना इंडिगो के गुरुग्राम स्थित एयरलाइन हाउस में तैनात रहेंगे। इनमें एक अधिकारी फ्लीट, पायलट के नंबर, एवरेज स्टेज लेंथ, नेटवर्क, क्रू की तैनाती, प्रशिक्षण, डेडहेडिंग, स्प्लिट ड्यूटी जैसे मैट्रिक्स की निगरानी करेगा, जबकि दूसरा फ्लाइट कैंसलेशन, रिफंड, ऑन टाइम परफॉर्मेंस, बैगेज रिटर्न की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करेगा. दोनों टीमें रोजाना शाम छह बजे तक डीजीसीए के जॉइंट डीजी को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे। इस बीच डिजीसीए ने अपने चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टरों को भी निलंबित कर दिया है।

इंडिगो का जवाब

उधर डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस के जवाब में इस अव्यवस्था के लिए इंडिगो ने टेक्निकल ग्लिच, विंटर शेड्यूल री अलाइनमेंट, खराब मौसम, एयर ट्रैफिक कंजेशन और एफडीटीएल फेज 2 के अनुसार क्रू की उपलब्धता को मेल्टडाउन का कारण बताया है। रिपोर्ट में इंडिगो ने दावा किया है कि नियमों के मुताबिक पैसेंजर्स को मील कूपन, होटल, लोकल ट्रांसपोर्ट और रिफंड की सहूलियतें दी गई हैं। इंडिगो द्वारा खुद पैदा किए गए इस संकट से कंपनी को 1 हजार करोड़ रू. से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। 10 दिनों 5 हजार से ज्यादा फ्लाइटें निरस्त हो चुकी हैं। जिससे हजारों यात्री परेशान हुए। कैंसल फ्लाइटों के टिकट की राशि भी ठीक से रिफंड नहीं की जा रही है। गौरतलब है कि इंडिगो का यह संकट 2 दिसंबर से शुरू हुआ, जब पर्याप्त स्टाफ के अभाव में धड़ाधड़ फ्लाइट कैंसल होना शुरू हुई। यह संकट गहराता ही चला गया और यात्री भयावह रूप से परेशान होते रहे। हालांकि कंपनी कहना है कि वह उन कस्टमर्स को फ्लाइट के ब्लॉक टाइम के आधार पर 5000 से 10000 रू. तक का मुआवजा देगी, जिनकी फ्लाइट डिपार्चर टाइम के 24 घंटे के अंदर कैंसल हो गई थी। लेकिन यह मुआवजा भी नाकाफी और आधा अधूरा है।

नया एफडीटीएल आदेश

इस अराजकता के पीछे असल कारण केन्द्र सरकार का वह आदेश था, जिसे एफडीटीएल (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) कहते हैं। इसके तहत विमान कंपनियों से कहा गया कि वो अपने पायलटों को सप्ताह में 48 घंटे का आराम दें। साथ ही रात में लैंडिंग की सीमा भी छह से घटाकर दो कर दी गई। यह आदेश भी दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश परिप्रेक्ष्य में था, जिसमें तेरह साल पहले मई 2010 में दुबई से मैंगलोर जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर हवाई अड्डे पर उतरते वक्त क्रैश हो गया था। इस हादसे में 158 लोगों की मौत हुई थी। हादसे की जांच में उजागर हुआ कि पायलट को झपकी आ जाने से यह भीषण हादसा हुआ। जांच रिपोर्ट के मुताबिक प्लेन को उड़ा रहे एक सर्बियाई पायलट उड़ान की तीन घंटे की अवधि के दौरान ज़्यादातर वक्त सोए रहने की वजह से भ्रमित (डिसओरिएंटेड) हो गए थे। इसके बाद पहली बार भारत में पायलट की थकान और उसकी वजह से यात्रियों की सुरक्षा को होने वाले ख़तरों का मुद्दा एक चर्चा का विषय बना। दो साल बाद कई पायलट संगठनों ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि भारत में उड़ानों का शेड्यूल इस तरह बनाया जाता है कि पायलटों को बहुत ज़्यादा काम करना पड़ता है, जिससे उड़ानों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। इन संगठनों की मांग थी कि इन संगठनों ने मांग की कि पायलटों की थकान से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक़ नियम लागू किए जाएं। इसी तारतम्य में जनवरी 2024 में डीजीसीए ने नए ड्यूटी नियम लागू किए ताकि उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा सके। एयरलाइनों को इन्हें दो चरणों में अपनाना था- जुलाई और नवंबर, 2025 में।

इंडिगो की लापरवाही

लेकिन इंडिगो ने इस आदेश को गंभीरता से नहीं लिया और नई व्यवस्था के लिए जरूरी अतिरिक्त स्टाफ की भरती नहीं की। इसके बाद भी डीजीसीए ने कोई सख्त कार्रवाई कंपनी के खिलाफ नहीं की। दूसरी तरफ कम स्टाफ के कारण फ्लाइटों का पूरा शिड्यूल बिगड़ता गया और फ्लाइटें कैंसिल करनी पड़ीं। जबकि अन्य विमान कंपनियों ने आवश्यक स्टाफ की भर्ती समय रहते कर ली, जिससे उन्हें अपनी फ्लाइटें कैंसल नहीं करनी पड़ीं।

नई व्यवस्था बने

अब अहम सवाल यह है कि भविष्य में इंडिगो जैसा कोई संकट पैदा न हो, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए? एक सुझाव यह है कि भारत को नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में हाइब्रिड मॉडल अपनाना चाहिए। पहले एयर इंडिया सरकारी क्षेत्र की कंपनी थी, जिसे मोदी सरकार ने भारी घाटे और विनिवेश नीति के तहत वापस टाटा को बेच दिया। उसके बाद सरकार के हाथ पूरी तरह खाली हो गए। वरना इंडिगो संकट के दौरान कोई सार्वजनिक क्षेत्र की विमान कंपनी होती तो यात्रियों को कुछ तो राहत पहुंचाई जा सकती थी। साथ ही इंडिगो संकट में अवसर खोज कर यात्रियों को लूटने वाली दूसरी विमान कंपनियों पर भी अंकुश रखा जा सकता था। हैरानी की बात यह है कि मोदी सरकार ने पूर्व में अपनी नीति में इस बात का वकालत की थी कि हर क्षेत्र में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रहेगी। लेकिन एविएशन सेक्टर को पूरी तरह निजी कंपनियों के भरोसे छोड़ दिया गया। दूसरे, विमान कंपनियों के कामकाज और प्रबंधन की सख्त निगरानी होनी चाहिए। तीसरे, देश में विमान यात्री हित रक्षा के कड़े कानून जरूरी हैं। क्योंकि यदि कंपनी किसी कारण से फ्लाइट कैंसिल करती है तो उसका पर्याप्त मुआवजा कंपनी को देना आवश्यक है। हकीकत में इंडिगो संकट ने भारत में विमानन की लचर व्यवस्था को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया है। इसे सुधारने में वक्त लगेगा। यह भी विडंबना ही है कि कहां हम दुनिया तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने का दावा कर रहे हैं और कहां एक निजी विमान कंपनी सरकार को झुकने पर मजबूर कर देती है।

राज्यपाल से म. प्र. विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज लोकभवन पहुँचकर सौजन्य भेंट की।

टीटी नगर स्टेडियम में एमपी की तीन खिलाड़ियों का सम्मान

ब्लाइंड वुमन्स टी20 वर्ल्ड कप की विजेताओं से मिले खेल मंत्री ; कहा- प्रदेश का नाम रोशन किया

भोपाल (नप्र)। ब्लाइंड वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2025 जीतकर लौटी भारतीय टीम की मध्यप्रदेश की खिलाड़ियों से खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम में भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मंत्री सारंग ने नर्मदापुरम-पिपरिया की सुनीता सराठे, बैतूल की दुर्गा येवले और दमोह की सुषमा पटेल से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हर नेशनल टीम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो प्रदेश की मजबूत खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान- मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हाल ही में दृष्टिबाधित महिला टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने नेपाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम में मध्यप्रदेश की तीन बेटियों की मौजूदगी पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इन बेटियों ने न सिर्फ देश का, बल्कि मध्यप्रदेश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है।

मंत्री सारंग ने बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीनों खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्रत्येक को 25-25 लाख रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की है। इसमें 10 लाख रुपए नगद और 15 लाख रुपए की राशि फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में दी जाएगी।

डेयरी क्रांति की ओर मध्यप्रदेश का बड़ा कदम है डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को हर संभव तरीके से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जाएगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने सहित वर्तमान डेयरी उद्योग को सुनियोजित, सुव्यवस्थित, व्यावसायिक और लाभकारी बनाने की दिशा में 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना' आरंभ की है। यह योजना खासतौर पर उन जरूरतमंद युवाओं, किसानों और पशुपालकों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है, जो आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित कर अपनी आय का स्थायी साधन विकसित करना चाहते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये-नये अवसर सृजित करना और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में लाभार्थियों को 25 दूधारू पशुओं की एक इकाई स्थापित करने का अवसर दिया जाता है। इच्छुक और सक्षम हितग्राही अधिकतम 8 इकाइयां अर्थात् 200 पशुओं तक की डेयरी परियोजना भी स्थापित कर

सकते हैं। यह योजना छोटे से लेकर मध्यम स्तर के डेयरी उद्यमियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि प्रति इकाई के लिए इच्छुक हितग्राही के पास कम से कम 3.50 एकड़ कृषि भूमि उपलब्ध हो। भूमि की यह व्यवस्था पशुओं के आवास, चारे की व्यवस्था और डेयरी के समुचित तरीके से संचालन के लिए जरूरी है। इसके साथ ही सरकार पशुपालकों/दूध उत्पादकों की प्रोफेशनल ट्रेनिंग को भी महत्व दे रही है, जिससे पशुपालक वैज्ञानिक और आधुनिक पद्धति से अपना डेयरी बिजनेस चला सकें। पशुपालकों को आर्थिक सहायता देना इस योजना का सबसे आकर्षक पहलू है। परियोजना की कुल लागत पर सरकार द्वारा अनुदान (सब्सिडी) भी दिया जा रहा है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को कुल परियोजना लागत का 33 प्रतिशत तथा अन्य सभी वर्गों को 25 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जा रहा है। शेष राशि बैंक ऋण के जरिए उपलब्ध कराई जा रही है। इस प्रावधान से बड़े निवेश की बाधा काफी हद तक कम हो जाती है और डेयरी बिजनेस शुरू करना भी आसान हो जाता है। योजना में लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया गया है। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है और चयन सामान्यतः पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ही किया जा रहा है। साथ ही उन पशुपालकों को भी प्राथमिकता दी जा रही है, जो पहले से ही किन्हीं दुग्ध संघों या सहकारी संस्थाओं को निरंतर दुग्ध आपूर्ति कर रहे हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, भूमि के दस्तावेज, बैंक खाता विवरण, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज जरूरी हैं। इच्छुक आवेदक पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आधिकारिक पोर्टल या अपने जिले के पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय से विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन भी ले सकते हैं।

जीजा ने साले की हत्या की

पत्नी को भड़काने का शक था, मर्डर करने 40 किमी का सफर तय कर पहुंचा आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गुनगा इलाके में रहने वाले युवक को उसके जीजा ने चाकू से चार वार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना शनिवार रात 8 बजे की है। रविवार तड़के 4 बजे घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।आरोपी दो महीने से मायके में बैठी पत्नी को लेने पहुंचा था। पत्नी साथ जाने के लिए राजी नहीं थी, तब आरोपी और उसके ससुराल वालों के बीच बहस हो गई। उसको शक था कि पत्नी का भाई उसका घर बिगाड़ रहा है। उसी की शय में पत्नी साथ चलने के लिए राजी नहीं है। इस घटनाक्रम के करीब सात घंटे बाद आरोपी ने साले के गले, पेट, जांघ और पांव में चार वार कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्या कर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर के मुताबिक ग्राम खादमपुर में रहने वाला 22 वर्षीय अब्दुल उर्फ अब्दुल्ला खां ट्रक ड्राइवरी करता था। उसकी बहन का अपने पति भूरा खान से विवाद चल रहा है। आरोपी भूरा खान रातीबड़ के ग्राम डोबरा में रहता है। बीती रात जीजा-साले के बीच फोन पर कहासुनी हो गई थी। इससे गुस्सा होकर रात में भूरा खान अपने ससुराल पहुंचा और तलाश ने के पास में अपनी 407 में काम कर रहे अब्दुल पर अचानक हमला कर दिया।

साथियों ने बचाने का प्रयास तक नहीं किया

घटना के समय साले के साथ अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने उसे बचाया नहीं। घटना की खबर लगते ही परिजन घायल साले को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद पुलिस ने बॉडी परिजनों को सौंप दी है। अब पुलिस आरोपी जीजा की तलाश में छापेमार कार्रवाई कर रही है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपी जीजा को पकड़ लिया जाएगा।

बहस के बाद हमला करने आया

आरोपी शनिवार की दोपहर को ससुराल पहुंचा था। यहां पत्नी पर साथ चलने के लिए दबाव बना रहा था। परिजनों ने उसे पत्नी को साथ नहीं ले जाने दिया। तब आरोपी ने अपशब्द कहना शुरू कर दिए। इससे नाराज अब्दुल ने भी जीजा से बदसलूकी की। इसी का बदला लेने के लिए आरोपी अपने गांव ग्राम डोबरा पहुंचा।

सोशल मीडिया फ्रेंड ने छात्रा से रेप किया

नाबालिग छात्रा को घुमाने के बहाने साथ ले गया था आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। वारदात को इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अंजाम दिया है। आरोपी ने मुलाकात और फिर घुमाने के बहाने पीड़िता को बुलाया था। मामले में पुलिस ने रेप और पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है।

थाना प्रभारी चंद्रिका यादव के मुताबिक 15 वर्षीय किशोरी एक निजी स्कूल की छात्रा है। छात्रा की दोस्ती इंस्टाग्राम पर विक्की प्रसाद नाम के युवक से हुई थी। पहले दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर बातचीत होती रही, और फिर मोबाइल पर बात होने लगी। शनिवार को आरोपी युवक ने उसे घुमाने के बहाने मिलने के लिए बुलाया और उसे अपने कमरे पर ले गया। जहां उसने पीड़िता के साथ रेप किया और बाद में उसे छोड़कर भाग गया। तबीयत बिगड़ने पर अपने घर पहुंची पीड़िता ने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। साथ ही थाने पहुंचकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भी घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

शादीशुदा युवक ने नाबालिग से रेप किया

इधर, खजूरी सड़क पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय किशोरी क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहती है। करीब छह महीने से उसकी बड़ी मम्मी का रिश्तेदार विवेक गिरी का छात्रा के घर पर आना जाना था। आरोपी समय-समय पर पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें करता था। करीब एक सप्ताह पहले उसने छात्रा को घर में अकेला पाकर उसके साथ रेप किया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

कही-सुनी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दो साल

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 दिसंबर को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लिए। इन दो सालों में विष्णुदेव साय ने सत्ता और संगठन में अपनी पकड़ बनाने के साथ प्रशासन को भी नया अमलीजामा पहनाया। प्रदेश अध्यक्ष, विधायक-सांसद और केंद्र में मंत्री रहने के अनुभव के आधार पर अधिकांश नए विधायकों को मंत्रिमडल में जगह देकर दो साल में विष्णुदेव साय ने सहज और सरल तरीके से सरकार चलाई है। विष्णुदेव ने विपक्ष की आलोचना की परवाह न कर 13 मंत्री बनाने का साहस किया। डॉ रमन सिंह 12 मंत्रियों के साथ 15 साल चले और भूपेश बघेल पांच साल। हरियाणा की तर्ज पर 13 मंत्रियों के फार्मूला को छत्तीसगढ़ में लागू करने के लिए विष्णुदेव साय को हमेशा याद किया जाएगा। विष्णुदेव साय ने दो साल के भीतर ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार और मंत्रियों के विभागों में हेरफेर कर राजनीतिक कुशलता का परिचय भी दे दिया। साय के राज में गांव से लेकर शहर की सत्ता पर भाजपा के कब्जा से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह का संचार भी देखा गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पार्टी संगठन में भी प्रदेश स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पसंद को तवज्जो देकर नया संकेत दे दिया। छत्तीसगढ़ के लिए नक्सलवाद बड़ी समस्या थी और यह राज्य के माथे पर बदनुमा दाग जैसा भी था। विष्णुदेव के राज में केंद्र सरकार के सहयोग से जिस तरह ऑपरेशन चला, उससे नक्सलियों ने पूरी तरह घुटने टेक दिए। नक्सलियों के बड़े-बड़े नेता और थिंक टैंक मारे गए या आत्मसमर्पण कर दिया। राज्य में नक्सलवाद के सफाये की बात जब भी लोगों की जेहन में आएगी, तब विष्णुदेव साय के राज को याद किया जाएगा। विष्णुदेव साय ने शुरूआती दौर में ही नई औद्योगिक नीति लांच कर राज्य के विकास के प्रति अपनी ललक को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री साय उद्योगपतियों को न्योता देने देश के महानगरों में गए। विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विदेश का दौरा भी किया। आदिवासी वर्ग के नेता के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने वाले विष्णुदेव साय का फोकस ट्राइबल इलाकों में भी देखा गया। खासतौर सरगुजा और बस्तर इलाके के विकास में। साय ने चुनावी वादे महतारी वंदन, किसानों को बोनस और 3100 रुपए में धान खरीदी जैसे कई घोषणाओं पर अमल कर वादे पूरी करने वाली सरकार के रूप में साख बनाई। साय ने दो साल, या कहें पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन कर तालियां बटोरी हैं। अगले तीन साल के प्रदर्शन का लोगों को इंतजार है।

नई गाइड लाइन में एक बिल्डर के 'पौ बारह'

चर्चा है कि राज्य में जमीन रजिस्ट्री की नई गाइडलाइन बनाने में एक बड़े बिल्डर की बड़ी भूमिका रही और सरकार की किरकिरी हो गई। आमतौर पर पंजीयन मंत्री जनता के कोप के दायरे में नहीं आते, पर गाइडलाइन वृद्धि के मामले में पंजीयन मंत्री के खिलाफ लोग सड़क पर उतर आए। बताते हैं नई गाइडलाइन में बड़े बिल्डर के प्रोजेक्ट के पास जमीन की दर 2200 रुपए प्रति वर्ग फीट तय की गई, जबकि उससे कुछ दूरी पर बन रहे एक प्रोजेक्ट के पास जमीन की गाइड लाइन दर 5500 रुपए प्रति वर्ग फुट रखी गई। बताते हैं बिल्डर के प्रोजेक्ट में कई आईएएस और नेताओं के बंगले हैं। बिल्डर को एक मंत्री का काफी करीबी बताया जा रहा है। बड़े बिल्डर के इशारे पर जमीन की गाइड लाइन दरें तय होने की खबर से दूसरे बिल्डर और जमीन के कारोबारी एकजुट हो गए और सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया। खबर है कि राज्य में कुछ विधायक और भाजपा के अन्य नेता जमीन का धंधा करते हैं। इस कारण से जमीन की नई गाइडलाइन दरें सबको चुभ गया। लोगों के विरोध के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हस्तक्षेप करना पड़ा और पुनर्विचार का आश्वासन देना पड़ा। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद एक्शन भी शुरू हो गया और कुछ सुधार हुआ। व्यापक सुधार के लिए सुझाव भी मांगे गए। इसके बाद लोगों का गुस्सा कुछ शांत हुआ।

विभागाध्यक्ष से दुखी मंत्री

कहते हैं एक मंत्री जी अपने विभागाध्यक्ष से दुखी है। बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने विभाग से जुड़े मंत्री जी अपने मातहत विभागाध्यक्ष की पोस्टिंग से पहले ही सशंकित थे। अब कार्यशैली से खुश नहीं हैं और मानकर चल रहे हैं कि ज्यादा दिन तक दोनों में निभ पाना संभव नहीं है। विभागाध्यक्ष महिला अफसर हैं, ऐसे में मंत्री जी और भी हैरान-परेशान बताए जाते हैं। महिला अफसर के बारे में चर्चा है कि वे अपने स्टाइल में काम करती हैं और ज्यादा किसी की सुनती नहीं हैं। महिला अफसर का सोशल मीडिया प्रेम भी सुर्खियों में रहता है। मंत्री जी पहली बार विधायक और मंत्री बने हैं। वे चिंतित हैं विभागाध्यक्ष उनके मन मुताबिक काम नहीं करेंगी तो वे लोगों को कैसे खुश कर पाएंगे और अपनी छवि निखार पाएंगे। अब देखते हैं मंत्री जी झुकते हैं या महिला अफसर अपने कार्यशैली में बदलाव लाती हैं।

सुर्खियों में छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर

एक कारोबारी से रिश्ते को लेकर आजकल छत्तीसगढ़ में डीएसपी स्तर की पुलिस अफसर काफी सुर्खियों में है। दोनों पक्षों की तरफ से मामला थाने में भी पहुँच गया है। आरोप -प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है और सोशल मीडिया में भी मामला गरमाया है। कुछ महीने पहले एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी से संबंध को लेकर छत्तीसगढ़ में एक आईजी स्तर के अफसर चर्चा में आए थे। इस मामले में पुलिस महानिदेशक ने एक जाँच टीम बना दी है। जाँच रिपोर्ट आने के बाद वस्तुस्थिति सामने आएगी, लेकिन छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर विवादों में क्यों फंस रहे हैं, यह बड़ा सवाल है। पुलिस का काम जनता को सुरक्षा देना और गलत -सही का पता लगाना है। अब पुलिस अफसर ही निजी विवादों में उलझ जाएंगे, तो जनता के लिए क्या काम करेंगे। क्या पुलिस महकमें में नैतिकता का पाठ कमजोर पड़ गया है। इसे आला अफसरों को देखना होगा। अफसरों के निजी उलझनों का असर छत्तीसगढ़ पुलिस की साख पर भी तो पड़ रहा है।

पांच कलेक्टरों का ट्रांसफर आयोग में अटका

कहा जा रहा है कि राज्य के पांच कलेक्टरों के ट्रांसफर का प्रस्ताव चुनाव आयोग में अटक गया।अब तो 21 फ़रवरी के बाद ही कलेक्टर, एसडीएम और एसआईआर के काम में लगे अफसरों के ट्रांसफर होंगे। छत्तीसगढ़ में एसआईआर के फार्म जमा करने की तारीख 18 दिसंबर तक बढ़ गई। इस कारण अन्य प्रक्रियाएं भी आगे खिसक गईं। कहते हैं पांच जिलों के कलेक्टर को लेकर राज्य के नेता और उद्योगपति सरकार से शिकायत कर रहे थे। इस कारण सरकार उनकी जगह नए लोगों को भेजना चाहती थी। लगता है चुनाव आयोग से प्रस्ताव नहीं लौटने से मामला ठंडे बस्ते में चला गया। मंत्रालय स्तर पर आईएएस अफसरों की पोस्टिंग नए साल में होने की उम्मीद है।

जशपुर हाल से विधानसभा का अपना भवन

छत्तीसगढ़ विधानसभा का पहला सत्र 14 दिसंबर 2000 को राजकुमार कालेज के जशपुर हाल में आयोजित हुआ था। 25 साल बाद 14 दिसंबर 2025 को नवा रायपुर में नवनिर्मित भव्य विधानसभा के नए भवन में सत्र आहूत की गई है। अस्थायी से विधानसभा की स्थायी व्यवस्था हो गई है। विधानसभा के नए भवन में पहली बैठक की अध्यक्षता का गौरव डॉ. रमन सिंह को मिलेगा, क्योंकि वे अभी विधानसभा अध्यक्ष हैं। नए भवन की पहली बैठक में नेता की कुर्सी पर मुख्यमंत्री के तौर पर विष्णुदेव साय रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष के आसन में डॉ चरणदास महंत बैठेंगे। 25 साल पहले राज्य में कांग्रेस सत्ता में थी और भाजपा विपक्ष में। 25 साल के सफर में कई परिदृश्य बदल गए हैं। विधानसभा भी हाईटेक हो गई है।